रीवा
21 मई 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

राजस्थान, म.प्र.-यूपी में अगले 10 दिन सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी

तापमान भी 45डिग्री से ज्यादा रहेगा, फिलहाल बारिश के आसार नहीं; यूपी के बांदा में पारा 48.2डिग्री

नई दिल्ली/ भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी। देश में गर्मी अपने पीक पर है। निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगला एक हफ्ता पूरी तरह सूखा रहेगा। एजेंसी के मुताबिक इस दौरान सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। अधिकतम तापमान भी 45डिग्री या उससे ज्यादा बना रहेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी कमजोर है और फिलहाल कोई वेदर सिस्टम भी नहीं है। ऐसे में बारिश की कोई संभावना नहीं है।

मंगलवार को MP, UP, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र के 22 शहरों में तामपान 45डिग्री से ज्यादा रहा था। इधर क्र का बांदा मंगलवार को लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म शहर रहा।

यहां तापमान 48.2डिग्री था। बीते दो दिन भी तापमान 46डिग्री से ज्यादा रहा था। बांदा में 15 मई 2022 को तापमान 49डिग्री रहा था। यह यहां के इतिहास में सबसे ज्यादा था। पूरे यूपी की बात करें तो 22 जिलों में पारा 40डिग्री रहा है।

मैप से समझिए कहां गर्मी, कहां हीटवेव :दिल्ली में चौथा हीटवेव डे- दिल्ली में मंगलवार को इस साल का चौथा हीटवेव डे दर्ज किया गया। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.1डिग्री रहा, जबकि रिज इलाका 46.5डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। पंजाब-हरियाणा में रिकॉर्ड

गर्मी- पंजाब के फरीदकोट में तापमान 47.3डिग्रीपहुंच गया। हरियाणा के रोहतक में 46.9डिग्रीऔर नारनौल में 45डिग्री तापमान दर्ज हुआ। चंडीगढ़ में पारा 43.2डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से 4डिग्री ज्यादा है।

शहरों में फील टेंपरेचर 4डिग्री तक अधिक : वास्तविक तापमान और फील टेंपरेचर में हर शहर में औसत 2डिग्री से 4डिग्री तक का अंतर है। क्लाइमेट एक्सपर्ट के मुताबिक, मौसम विभाग जो तापमान बताता है, लोगों को उससे कहीं ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण तेजी से होता शहरीकरण है। इससे तापमान में उछाल आ रहा है। फील फैक्टर तेजी से बढ़ता जा रहा है।

जिनपिंग बोले- दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही

बीजिंग में पुतिन के साथ बैठक की, कहा- ईरान जंग को रोकना जरूरी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध को लेकर चेतावनी दी है। रॉयटर्स के मुताबिक, बीजिंग में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि दुनिया फिर जंगलराज की तरफ बढ़ रही है। जिनपिंग ने चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं रुकी तो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और वैश्विक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एकतरफा सैन्य कार्रवाई और लंबे समय तक चलने वाला युद्ध दुनिया को ऐसे दौर में ले जा सकता है, जहां अंतरराष्ट्रीय नियम कमजोर पड़ जाएं। उन्होंने कहा कि लड़ाई रोकना बेहद जरूरी है।

जिनपिंग ने यह बयान बुधवार को बीजिंग में पुतिन के औपचारिक स्वागत के बाद दिया। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल के बाहर दोनों नेता रेड कार्पेट पर साथ चले और सैन्य बैंड ने रूस और चीन के राष्ट्रगान बजाए।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर भूस्खलन, रातभर चला रेस्क्यू, श्रद्धालु सुरक्षित

केदारनाथ, एजेंसी। केदारनाथ मंदिर यात्रा मार्ग पर मंगलवार रात हुई तेज बारिश के बाद सोनप्रयाग-गौरीकुंड मार्ग के तीन स्थानों पर भूस्खलन होने से यात्रा प्रभावित हो गई। हालांकि जिला प्रशासन, एनडीआरएफ एसडीआरएफ और पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया और हजारों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रशासन के अनुसार 19 मई तक 6.94 लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। रात में भारी बारिश के कारण मार्ग पर मलबा आने से आवागमन बाधित हो गया था। सूचना मिलते ही जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्थिति की निगरानी शुरू कर अधिकारियों को राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए।

राहत टीमों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच करीब 30 मिनट में पैदल मार्ग को आंशिक रूप से सुचारु कर दिया। इसके बाद रातभर अभियान चलाकर यात्रियों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया गया। प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लगातार निगरानी और राहत कार्य जारी रखा। बाद में जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर मार्ग को दोबारा खोल दिया गया। प्रशासन ने कहा है कि यात्रा फिलहाल नियंत्रित ढंग से संचालित की जा रही है और मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

देशभर में 15 लाख दवा दुकानें बंद

● ऑनलाइन बिक्री का विरोध किया ● एमपी, यूपी, चंडीगढ़, बिहार में लोग परेशान दिखे

नई दिल्ली, एजेंसी। दवाओं की अवैध ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पिटीशन के विरोध में देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) ने बुधवार को बंद का ऐलान किया था। AIOCD के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान ऑनलाइन दवा सप्लाई के लिए जो छूट दी गई थी, उसका अब गलत इस्तेमाल हो रहा है। इसलिए इस छूट को वापस लेने की मांग की जा रही है। हालांकि, बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहे।

दवा दुकानदारों की 4 मांगें

- बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए।
- इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम GSR 220(E) और GSR 817(E) हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए।
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'गलत या नकली पर्चियों' का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसलिए ई-फार्मेसी के लिए नए सख्त नियम बनाए जाएं।
- लोकल दुकानदार ऑनलाइन कंपनियों के 20% से 50% तक के डिस्काउंट का मुकाबला नहीं कर सकते।

इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

सरकार का दावा- 12 प्रदेशों के दुकानदार बंद में शामिल नहीं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार ने कहा है कि हड़ताल से दवाओं की किल्लत नहीं होगी। पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश समेत कम से कम 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दवा दुकानदार संगठनों ने इस बंद से खुद को अलग कर लिया है और दुकानें खुली रखने का फैसला किया है।

उत्तराखंड में बिजली के तारों में फंसा हेलिकॉप्टर, खेतों में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

बद्रीनाथ से 6 यात्रियों को लेकर देहरादून जा रहा था

टिहरी गढ़वाल, एजेंसी। बद्रीनाथ धाम से दिल्ली के श्रद्धालुओं को लेकर लौट रहे एक निजी हेलिकॉप्टर की बुधवार सुबह टिहरी गढ़वाल के चम्बा-आराकोट क्षेत्र में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। उड़ान के दौरान हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई और उसके पिछले रोटर में 11000 वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन फंस गई। गंभीर स्थिति के बीच महिला पायलट अनुपमा चौधरी ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलिकॉप्टर को सत्यो-सकलाना क्षेत्र के नवगांव स्थित खेत में सुरक्षित उतार दिया। हेलिकॉप्टर में सवार पायलट समेत सभी 7 लोग सुरक्षित हैं।

सभी यात्री दिल्ली के पंजाबी बाग निवासी एक ही परिवार के बताए गए हैं। गुप्तकाशी में वीआईपी मूवमेंट के बाद बदला गया रूट यह हेलिकॉप्टर बद्रीनाथ धाम से यात्रियों को लेकर गुप्तकाशी जा रहा था।

अमेरिकी संसद में ईरान जंग रोकने वाला प्रस्ताव पास

ट्रम्प के 4 सांसदों ने उनके खिलाफ वोटिंग की; राष्ट्रपति के पास वीटो का अधिकार बाकी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव पास हो गया है। वोटिंग में 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेट्स का साथ दिया। हालांकि 3 रिपब्लिकन सांसद वोटिंग में शामिल नहीं हुए। यह प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ, हालांकि इसे कानून बनने के लिए अभी कुछ और चरणों से गुजरना होगा। अगर यह प्रस्ताव कानून बनता है, तो ट्रम्प सरकार को ईरान के खिलाफ युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। अभी सीनेट में इस पर अंतिम वोटिंग होनी बाकी है। इसके बाद इसे रिपब्लिकन बहुमत वाली हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स से मंजूरी लेनी होगी।

हालांकि उसके बाद भी ट्रम्प इसके खिलाफ वीटो कर सकते हैं। फिर उस वीटो को रद्द करने के लिए सीनेट और हाउस दोनों में दो-तिहाई बहुमत चाहिए होगा, जो फिलहाल मुश्किल माना जा रहा है।

विपक्ष बोला- युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास हो यह वोट विपक्ष के लिए बड़ी जीत माना जा रहा है जो कह रहे थे कि अमेरिका में युद्ध शुरू करने या सेना भेजने का अधिकार राष्ट्रपति नहीं बल्कि संसद के पास होना चाहिए। अमेरिकी संविधान में भी यही व्यवस्था दी गई है। इस प्रस्ताव को वर्जीनिया के डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन लेकर आए हैं।

बहस के दौरान उन्होंने कहा कि अभी जब युद्धविराम की बात हो रही है, तब ट्रम्प को संसद के सामने आकर अपनी रणनीति बतानी चाहिए। डेमोक्रेट सीनेटर टिम केन ने कहा कि युद्ध शुरू करने का अधिकार संसद के पास है, सिर्फ राष्ट्रपति के पास नहीं। वहीं व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रम्प ने अमेरिकी सुरक्षा के लिए अपने अधिकारों के तहत कार्रवाई की है। अमेरिकी कानून के मुताबिक कोई भी राष्ट्रपति बिना संसद की मंजूरी के सिर्फ 60 दिन तक सैन्य कार्रवाई चला सकता है।

बंगाल में ओबीसी आरक्षण 17% से घटकर 7% हुआ

अब 66 जातियां ही कोटे में रहेंगी; ममता सरकार की ओबीसी-ए और ओबीसी-बी की व्यवस्था खत्म

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल सरकार ने ओबीसी आरक्षण व्यवस्था में बदलाव किया है। राज्य में ओबीसी आरक्षण 17% से घटाकर 7% कर दिया गया है। नई लिस्ट के मुताबिक अब सिर्फ 66 जातियां ओबीसी आरक्षण के दायरे में रहेंगी। धर्म आधारित वर्गीकरण की व्यवस्था भी खत्म कर दी गई है। सरकार का कहना है कि यह फैसला कलकत्ता हाईकोर्ट के 2024 के आदेश के आधार पर लिया गया है। कोर्ट ने 2010 से 2012 के बीच ओबीसी सूची में 77 अतिरिक्त जातियों को जोड़ने की प्रक्रिया को अवैध और असंवैधानिक बताया था।हालांकि 2010 से पहले ओबीसी कैटेगरी में शामिल जातियों का दर्जा बना रहेगा। इस कोटे के जरिए पहले नौकरी पा चुके लोगों की नियुक्तियों पर भी असर नहीं पड़ेगा।

ममता सरकार ने ओबीसी आरक्षण को दो हिस्सों में बांटा था :इस फैसले के साथ ममता बनर्जी सरकार के समय लागू ओबीसी-ए और ओबीसी-बी व्यवस्था खत्म हो गई है। ममता सरकार ने ओबीसी आरक्षण को दो कैटेगरी में बांटा था। ओबीसी-ए को 10% और ओबीसी-बी को 7% आरक्षण मिल रहा था। इस दौरान कई नई जातियां भी जोड़ी गईं। इसी के खिलाफ 2024 में कलकत्ता हाईकोर्ट ने फैसला दिया था। कोर्ट के फैसले से 2010 के बाद जारी करीब 12 लाख ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द हो गए थे।

अब इन्हें मिलेगा आरक्षण : नई लिस्ट में कपाली, कुर्मी, सुध्राधार, कर्मकार, सूत्रधार, स्वर्णकार, नाई, तांती, धनुक, कसाई, खंडायत, तुरहा, देवांग और गोआला जैसी जातियां शामिल हैं। पहाड़िया, हज्जाम और चौधुली जैसे तीन मुस्लिम समुदाय भी इस लिस्ट में हैं। राज्य मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि सरकार OBC ढांचे की नई समीक्षा करेगी। इसके लिए जांच समिति बनाई जाएगी। जिन समूहों की पहचान हाईकोर्ट ने स्पष्ट की है, उन पर पहले विचार होगा।

ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा

टैंक, हेलिकॉप्टर और दूसरे ड्रोन को निशाना बना सकेगी; डीआरडीओ ने स्वदेशी कंपनियों के साथ बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है।

यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है। वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित DRDO टेस्ट रेंज में किया गया।

इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है।

चलते-फिरते टारगेट को भी लॉक कर सकती है : यूएलपीजीएम-वी3 एक स्मार्ट प्रिसिजन गाइडेड मिसाइल है। इसमें सीकर तकनीक लगी है, जिससे यह टार्गेट को पहचानकर लॉक करती है और फिर सटीक हमला करती है। चलते हुए लक्ष्य को भी ट्रैक कर सकती है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इसे एंटी-टैंक रोल के लिए भी तैयार किया गया है। साथ ही यह ड्रोन, हेलिकॉप्टर और दूसरे हवाई लक्ष्यों के खिलाफ भी इस्तेमाल की जा सकती है।

डीआरडीओ ने भारतीय कंपनियों के साथ तैयार किया :इस मिसाइल को डीआरडीओ के हैदराबाद

स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (RCI) की अगुआई में डेवलप किया गया है। इसके साथ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी (DRDL), टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी (HEMRL) भी इस प्रोजेक्ट में शामिल रहीं।

प्रोडक्शन के लिए DRDO ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (BDL) और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। ट्रायल में इसे बेंगलुरु की न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज के बनाए UAV के साथ टेस्ट किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ट्रायल के बाद साफ है कि इसकी घरेलू सप्लाई चेन बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए तैयार है। बड़ी संख्या में भारतीय MSME कंपनियां भी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रही हैं।

पहली बार 50 हजार जवानों की अलग ड्रोन फोर्स भी होगी : ऑपरेशन सिंदूर, रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के बाद भारत ने एक 'ड्रोन फोर्स' बनाने का फैसला किया है। यह फोर्स किसी भी सैन्य कार्रवाई में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' (पहली जवाबी कार्रवाई) के तौर पर तैनात की जाएगी। इसे डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर फोर्स का तकनीकी का सपोर्ट होगा।

नलों से आ रहा बदबूदार पानी, दिल्ली जल बोर्ड के चक्कर काटकर थके लोग; बलबीर नगर में 2 महीने से हाहाकार

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्दमपुरी वार्ड स्थित बलबीर नगर इलाके में पिछले करीब दो माह से सीवर युक्त गंदे पानी की सप्लाई होने से स्थानीय लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। दूषित पानी की वजह से क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और लोगों में दिल्ली जल बोर्ड के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा और लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि नलों से आने वाले पानी में बदबू आती है जो पीने योग्य तो क्या किसी घरेलू कार्यों के लिए भी नहीं किया जा सकता। मजबूरी में कई परिवार बाजार से पानी खरीदने को विवश हैं। बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारी विद्या प्रकाश शर्मा ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित जनप्रतिनिधियों को कई बार लिखित शिकायत दी गई, और विभाग के चक्कर काट-काट कर थक चुके है लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं।

लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे, जबकि गर्मी के मौसम में पानी की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है।

जनता गार्डन और मयूर विहार फेज-1 में सप्लाई बाधित :

वहीं, दूसरी ओर जनता गार्डन और मयूर विहार फेज-1 इलाके में भी पानी संकट गहराता जा रहा है। यहां पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई बाधित होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सुबह और शाम के समय पानी नहीं आने से घरेलू कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लोगों ने संबंधित जेई को कई बार शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। पानी संकट को लेकर इंटरनेट मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा देखने को मिल रहा है और विभाग के खिलाफ नाराजगी लगातार बढ़ रही है। दो महीने से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं। पानी इतना खराब है कि बच्चों को पीने के लिए बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। दिल्ली जल बोर्ड और जनप्रतिनिधियों को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। बदबूदार पानी की सप्लाई होने से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। विभाग को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए और जनप्रतिनिधियों जिम्मेवारी लेकर साफ पानी मुहैया कराना चाहिए। संबंधित जेई को जल्द से जल्द बलबीर नगर के लोगों की परेशानी हल करने के लिए बोल दिया गया है। अगर जेई फोन नहीं उठाता व समस्या का समाधान नहीं करता है तो मेरे नंबर पर फोन व कार्यालय आकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

दिल्ली में साइबर धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश

रिमोट एक्सेस से बैंक खाते खाली करने वाले दो गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। मध्य जिला के साइबर सेल थाना पुलिस ने एक साइबर धोखाधड़ी रैकेट का पर्दाफाश कर मास्टरमाइंड समेत दो जालसाज को गिरफ्तार कर लिया है। मास्टरमाइंड के यूपी के देवरिया से गिरफ्तार किया गया है।

यह गिरोह सुरक्षा सिस्टम की पकड़ में न आने वाले नकली एपीके फाइल के जरिए लोगों के फोन का रिमोट एक्सेस लेकर उनके बैंक खाता खाली कर देता था। पुलिस ने जालसाजों के पास से इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, डेबिट कार्ड और एक क्रिप्टो हार्डवेयर वालेट भी बरामद किया है।

डीसीपी रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों के नाम अभय साहनी (देवरिया, यूपी) व उमेश कुमार रजक (गोरखपुर) है। अभय साहनी इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड है। वह टेलीग्राम के जरिए एप बनाकर उनमें बदलाव कर साइबर अपराधियों को बेच देता था।

उमेश कुमार रजक, अभय से एप खरीदकर लोगों से ठगी करता था। एक पीड़ित से बिजली बिल कटने के नाम पर उसने 1,20,999 की ठगी की थी। इनके कब्जे से 11 महंगे मोबाइल फोन, 11 डेबिट कार्ड और एक क्रिप्टो हार्डवेयर वालेट बरामद किए गए हैं।

मास्टरमाइंड आठवीं पास है, उसने यूट्यूब और टेलीग्राम से हैकिंग और साइबर धोखाधड़ी की तकनीक सीखी। बीते जुलाई में साइबर थाने में एक पीड़ित ने 1,20,999 आनलाइन ठगी का मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित को एक अज्ञात नंबर से फोन आया और डराया गया कि अगर तुरंत भुगतान नहीं किया गया, तो उनका बिजली का मीटर काट दिया जाएगा।

मोबाइल का एंटी-वायरस या सिक्योरिटी सिस्टम भी नहीं पकड़ पाता

वह टेलीग्राम पर आइडी चलाकर देशभर के साइबर ठगों को चार हजार में यह एप बेचता था और उन्हें टेक्निकल सपोर्ट भी देता था। इसके बनाए एप इस तरह के होते थे, जिन्हें मोबाइल का एंटी-वायरस या सिक्योरिटी सिस्टम भी नहीं पकड़ पाता था। उसने कुबूल किया कि वह अब तक 40 से 50 एपीके बेच चुका है और खुद भी करीब 20-25 लोगों से ठगी कर चुका है। इनके कब्जे से 11 स्मार्टफोन (पांच आइफोन, तीन गूगल पिक्सल और तीन अन्य एंड्राइड फोन), 11 डेबिट कार्ड (नौ जियो पेमेंट्स बैंक और दो एनएसडीएल पेमेंट्स बैंक के कार्ड), एक क्रिप्टो हार्डवेयर वालेट, जिसका इस्तेमाल अमूमन क्रिप्टो करेंसी छुपाने के लिए किया जाता था, आठ सिमकार्ड, एक कार बरामद की गई है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि मास्टरमाइंड के तार देश के और किन-किन राज्यों के साइबर अपराधियों से जुड़े हैं और इसने क्रिप्टो वालेट में कितना पैसा छिपा रखा है।

जालसाज को पीड़ित के फोन का पूरा रिमोट एक्सेस मिल गया

मदद के बहाने जालसाज ने पीड़ित के वाट्सएप पर कस्टमर केयर सपोर्ट एपीके नाम का खतरनाक एप भेजकर उसे इंस्टाल करवा दिया। एप डाउनलोड होते ही जालसाज को पीड़ित के फोन का पूरा रिमोट एक्सेस मिल गया, जिसके बाद उसने डिजिटल ट्रांजेक्शन के जरिए पैसे उड़ा लिए। शिकायत मिलने पर एसीपी पदम सिंह राणा और साइबर सेल के एसएचओ इंस्पेक्टर योगराज दलाल की टीम ने तकनीकी जांच के बाद पहले उमेश कुमार रजक को गिरफ्तार कर लिया। उमेश से पूछताछ और टेलीग्राम चैट की जांच में दो टेलीग्राम आइडी मिलीं, जहां से यह एप खरीदा जा रहा था। डिजिटल सबूतों के आधार पर मुख्य एडमिन और एप डेवलपर अभय साहनी को देवरिया से गिरफ्तार कर लिया गया। अभय ने एपीके फाइलें बनाने, एंटी-वायरस डिटेक्शन को बायपास करने और फोन हैक करने की ट्रेनिंग यूट्यूब वीडियो, टेलीग्राम ग्रुप्स और इंटरनेट मीडिया से ली थी।

दादरी में सपाइयों का पैदल मार्च: बिजली कटौती, नीट पेपर लीक और महंगाई पर जताया विरोध

दादरी, एजेंसी। अघोषित बिजली कटौती, नीट परीक्षा का पेपर लीक और बढ़ती महंगाई के खिलाफ सपा छात्र सभा के नेतृत्व में एक पैदल मार्च निकाल कर विरोध जताया गया। मार्च को दादरी तिराहा जीटी रोड पर खत्म किया गया। इसके बाद दादरी एसीपी प्रशाली गंगवार को ज्ञापन सौंप कर बिजली कटौती को खत्म कर सुचारू आपूर्ति बहाल करने, नीट परीक्षा पेपर लीक करने के आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई व रसोई गैस सिलिंडर समेत अन्य दैनिक उपयोग की चीजों के बढ़ते दामों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके छात्र सभा के जिलाध्यक्ष मोहित नागर, पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी, पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्र प्रधान, छात्र सभा प्रदेश सचिव प्रशांत भाटी, जिला उपाध्यक्ष कृष्ण रावल आदि मौजूद रहे।

अगले महीने हो सकती है पीएम मोदी-राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात, मैक्रों के निमंत्रण से चर्चाएं तेज

पेरिस, एजेंसी। अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात फ्रांस में होने वाले त्न7 शिखर सम्मेलन के दौरान होने की संभावना है। अगर ऐसा होता है, तो 16 महीनों से भी ज्यादा समय के बाद दोनों नेता पहली बार आमने-सामने होंगे। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें इस संभावित मुलाकात पर टिकी हैं। फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में 15 से 17 जून तक 7 शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने प्रधानमंत्री मोदी को इस बैठक में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया है। हालांकि भारत इस समूह का सदस्य नहीं है, फिर भी एक महत्वपूर्ण भागीदार देश के तौर पर भारत को बुलाया गया है। राष्ट्रपति मैक्रों ने फरवरी में भारत दौरे के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस सम्मेलन में आने का न्योता दिया था। फ्रांस के विदेश मंत्रालय ने हाल ही में इस यात्रा की पुष्टि की है। इस बीच फ्रांस के यूरोप और विदेश मामलों के मंत्री, जीन-नोएल बैरोट ने आज अब्बे डेस वॉक्स-डे-सर्ने में G| विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अपने भारतीय समकक्ष, विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर के साथ बातचीत की। दोनों मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एवियन शिखर सम्मेलन (15-17 जून) में अपनी भागीदारी की पुष्टि का स्वागत किया। साथ ही, वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी में भारत के योगदान की सराहना की। इस बैठक के दौरान पश्चिम एशिया के हालात और समुद्री सुरक्षा जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा हुई। दोनों देशों के मंत्रियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई है। फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें पीएम मोदी और ट्रंप के इस संभावित मुलाकात पर टिकी हैं। ट्रंप भी त्न7 शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा वहीं इस बीच, अमेरिकी मीडिया आउटलेट &ios ने अपनी रिपोर्ट में बताया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 15 से 17 जून तक फ्रांस में होने वाले त्न7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों इस बैठक की मेजबानी फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में करेंगे। यह सम्मेलन ट्रंप के 80वें जन्मदिन के ठीक एक दिन बाद शुरू होगा।

झ ट्रंप अपना जन्मदिन व्हाइट हाउस के मैदान में यूएफसी केजफाइट्स के साथ मनाएंगे। रिपोर्ट ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से बताया, त्न-7 बैठक में कोई औपचारिक समझौता नहीं होगा, बल्कि इसका उद्देश्य ऐसे मुद्दों पर आम सहमति बनाना है, जिनके आधार पर भविष्य में समझौते किए जा सकें। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, व्यापार और अपराध के खिलाफ लड़ाई जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे।

'ईरान हर हाल में चाहता है समझौता', ट्रंप बोले- जल्द खत्म होगी जंग

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान हर हाल में अमेरिका के साथ एक समझौता करना चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच चल रहा यह युद्ध बहुत ही जल्द खत्म हो जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने पूरी दुनिया को राहत देने वाली एक और बड़ी बात कही है। ट्रंप का कहना है कि आने वाले समय में दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिलेगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पूरी दुनिया अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की उम्मीद कर रही है और दोनों देशों के बीच कूटनीतिक बातचीत जारी है। मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पूरी स्थिति को बहुत ही आसान भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के बाजार में तेल की सप्लाई बहुत ज्यादा है, इसलिए अब इसके दाम तेजी से नीचे गिरेंगे।

तेल की कीमतों पर क्या बोले ट्रंप: ट्रंप ने जोर देते हुए कहा कि ईरान अब इतनी बुरी तरह से एक डील (समझौता) करना चाहता है कि यह युद्ध बहुत जल्द अपनी समाप्ति की ओर बढ़ जाएगा। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आप सभी देखेंगे कि तेल की कीमतें कैसे धड़ाम से नीचे आती हैं। उनकी इस बात से यह साफ हो गया है कि पर्दे के पीछे बातचीत बहुत ही तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही कोई बड़ा और सकारात्मक नतीजा पूरी दुनिया के सामने आ सकता है।

पीएम मोदी पर नस्लीय कार्टून बनाने पर विवाद; निशाने पर आया नॉर्वे का अखबार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नॉर्वे दौरे के दौरान प्रेस स्वतंत्रता को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। इसी बीच नॉर्वे के प्रमुख अखबार में प्रकाशित एक कार्टून सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसने नए विवाद को जन्म दे दिया। इस कार्टून में पीएम मोदी को सपेरे के रूप में दिखाया गया था, जिसे लेकर कई लोगों ने अखबार पर नस्लीय और रूढ़िवादी सोच को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। यह कार्टून पीएम मोदी के ओस्लो पहुंचने से महज कुछ घंटे पहले प्रकाशित किया गया था। इसे अखबार के एक ओपिनियन आर्टिकल के साथ छापा गया, जिसकी हेडलाइन का अनुवाद एक चतुर लेकिन परेशान करने वाला व्यक्ति बताया गया। लेख में इस बात पर चर्चा की गई थी कि भारत की नजर नॉर्डिक देशों पर क्यों है। वहीं कार्टून में मोदी को सपेरे के रूप में दिखाया गया, जबकि सांप की जगह पेट्रोल पंप की फ्यूल पाइप दिखाई गई थी।

सोशल मीडिया पर आई तीखी प्रतिक्रियाः कार्टून सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कई यूजर्स ने इसे भारत की पुरानी और अपमानजनक पश्चिमी छवि से जोड़कर देखा। लंबे समय तक पश्चिमी मीडिया में भारत को 'सांप सपेरों, हाथियों और अंधविश्वासों का देश' बताने वाली छवियों का इस्तेमाल होता रहा है। स्नेक चार्मर यानी सांप सपेरा वाली छवि को हाल के वर्षों में कई विशेषज्ञों और आलोचकों ने नस्लीय और जेनोफोबिक प्रतीक करार दिया है।

विदेशी मीडिया में अक्सर दिखाई देती है नस्लीय सोचः यह पहला मौका नहीं है जब किसी विदेशी मीडिया संस्थान ने भारत को इस तरह दर्शाया हो। अक्तूबर 2022 में स्पेन के अखबार ने भारत की आर्थिक तरक्की को दिखाने के लिए सांप सपेरे की तस्वीर का इस्तेमाल किया था। उस समय भी इस चित्रण को लेकर काफी आलोचना हुई थी।

पीएम मोदी ने नस्लीय सोच के खिलाफ की थी टिप्पणीः खास बात यह है कि पीएम मोदी खुद भी पहले इस मुद्दे पर टिप्पणी कर चुके हैं। 2014 में अमेरिका दौरे के दौरान उन्होंने कहा था कि भारत अब स्नेक चार्मर्स का देश नहीं, बल्कि माउस चार्मर्स का देश बन चुका है। उनका इशारा कंप्यूटर माउस और भारत की तकनीकी प्रगति की ओर था। इससे पहले जनवरी 2013 में गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए गांधीनगर में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात युवा सम्मेलन में भी उन्होंने कहा था कि दुनिया की नजर में भारत की छवि सांप सपेरों के देश से बदलकर तकनीक और नवाचार वाले देश की बन रही है।

क्या है पूरा मामलाः इसी दौरान नॉर्वे में प्रेस स्वतंत्रता को लेकर भी एक अलग विवाद सामने आया। पीएम मोदी और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के संयुक्त बयान के दौरान एक पत्रकार ने पीएम मोदी से सवाल पूछने की कोशिश की, लेकिन पीएम बिना सवाल लिए वहां से निकल गए। इसके बाद नॉर्वे की पत्रकार और कमेंटेटर हेले लिंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो साझा किया।

सेना के टेंडर घोटाले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, कोलकाता में तैनात कर्नल हिमांशु बाली गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सेना के टेंडरों में कथित रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्वी कमान, फोर्ट विलियम, कोलकाता में तैनात सेना आयुध कोर के कर्नल हिमांशु बाली को गिरफ्तार कर लिया है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, कर्नल बाली पर 50 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। एफआईआर में दावा किया गया है कि उन्होंने कानपुर स्थित एक निजी कंपनी को अनुचित लाभ देते हुए टेंडर दिलवाए और इसके बदले रिश्वत स्वीकार की। सीबीआई के अनुसार, यह पूरा मामला भारतीय सेना के विभिन्न टेंडर प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि कर्नल हिमांशु बाली ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए एक कंपनी को फेवर किया और बदले में रिश्वत ली। सीबीआई ने इस मामले में छापेमारी और जांच के बाद गिरफ्तारी की है। अभी तक सीबीआई ने इस मामले में और अधिक अधिकारियों या निजी कंपनियों के संलिप्त होने की जांच जारी रखी है। सेना में भ्रष्टाचार पर सख्तीयह गिरफ्तारी भारतीय सेना में टेंडर प्रक्रिया को पारदर्शी बनाए रखने और भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम का हिस्सा मानी जा रही है।

सीनियर अधिकारी की गिरफ्तारी काफी गंभीर मामलाः सेना के उच्च अधिकारी आमतौर पर संवेदनशील पोस्टिंग पर तैनात रहते हैं, ऐसे में किसी सीनियर अधिकारी की गिरफ्तारी को काफी गंभीर माना जा रहा है।

कर्नल बाली से पूछताछ शुरू : सीबीआई ने कर्नल बाली को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। उम्मीद है कि आगे की पूछताछ में इस घोटाले के और राज खुल सकते हैं।

गुरुग्राम वाले ध्यान दें! पानी की बर्बादी की तो लगेगा 2000 रुपये जुर्माना, खराब मीटर पर भी होगी कार्रवाई

गुरुग्राम, एजेंसी। नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में जल संरक्षण को बढ़ावा देने और पेयजल के दुरुपयोग पर रोक लगाने के लिए सख्ती बढ़ा दी है। निगम प्रशासन ने पानी की बर्बादी, अवैध कनेक्शन और खराब मीटरों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। नगर निगम ने साफ किया है कि यदि कोई व्यक्ति पेयजल का दुरुपयोग करता पाया गया तो उस पर पहली बार दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। दोबारा नियम तोड़ने पर बिना किसी पूर्व सूचना के पानी का कनेक्शन काट दिया जाएगा। खासतौर पर कार धोने, सड़क साफ करने या अन्य गैर-जरूरी कार्यों में पाइप से पेयजल के उपयोग पर कार्रवाई होगी। निगम के अनुसार जिन उपभोक्ताओं के पानी के मीटर खराब या दोषपूर्ण पाए जाएंगे, उन पर एक हजार रुपये की पेनल्टी लगाई जाएगी। तय समय सीमा में मीटर ठीक नहीं कराने पर संबंधित उपभोक्ता का पानी का कनेक्शन भी काटा जा सकता है। साथ ही बिना मीटर वाले घरेलू, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल कनेक्शनों पर भी कार्रवाई की जाएगी। निर्माण कार्यों में नहीं होगा पीने के पानी का इस्तेमाल नगर निगम ने निर्माण गतिविधियों में पीने के पानी के उपयोग पर भी रोक लगा दी है। यदि कोई निर्माण कार्य में पेयजल का इस्तेमाल करता पाया गया तो उसका कनेक्शन तत्काल प्रभाव से काट दिया जाएगा। निर्माण कार्यों के लिए केवल एसटीपी के पानी के उपयोग की अनुमति होगी। अवैध कनेक्शनों के विरुद्ध अभियान चलेगा निगम प्रशासन अवैध और अनधिकृत पानी कनेक्शनों के विरुद्ध भी विशेष अभियान चलाएगा। अधिकारियों ने नागरिकों से जल्द से जल्द अपने पानी के कनेक्शन और मीटरों का पंजीकरण कराने की अपील की है। यदि किसी क्षेत्र में पानी की बर्बादी या अवैध कनेक्शन दिखाई देता है तो नागरिक इसकी सूचना वाट्सएप नंबर 7840001817 और टोल फ्री नंबर 1800-180-1817 पर दे सकते हैं।

दशक भर का इंतजार खत्म! फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद के बीच दौड़ेगा नया एक्सप्रेसवे, सुधरेगी एनसीआर में कनेक्टिविटी

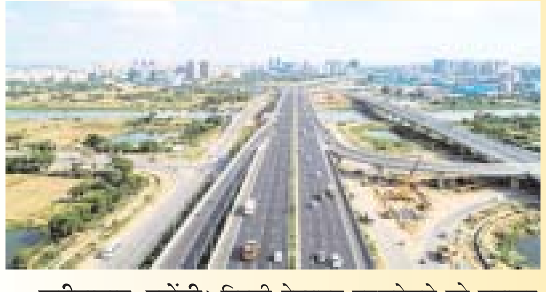

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को बढ़ाकर फरीदाबाद तक करने की परियोजना तैयार की जा रही है। एक्सप्रेसवे का विस्तार ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद से शुरू होगा। यहां से नोएडा और फरीदाबाद तक एक्सप्रेसवे बनेगा। इस 65 किलोमीटर लंबे रूट पर 7500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस परियोजना से न केवल फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद की सीधी और सुगम कनेक्टिविटी हो जाएगी बल्कि यहां से देहरादून एक्सप्रेसवे तक का सफर मिनटों में तय हो सकेगा। जिससे शहर के एक लाख से अधिक लोगों को राहत मिलेगी। याद रहे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पूरी तरह से चालू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 14 अप्रैल 2026 को इसका औपचारिक उद्घाटन कर दिया था। दिल्ली के अक्षरधाम मंदिर से देहरादून तक का पूरा 213 किलोमीटर लंबा मार्ग जनता के लिए खुल चुका है। इसी परियोजना को आगे बढ़ाने की बात है।

मंत्री बोले, नए रास्तों से जुड़ेगा शहर : केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर कई साल से फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद एक्सप्रेसवे परियोजना को धरातल पर लाने के प्रयास में लगे हुए हैं। करीब एक दशक से यह योजना फाइलों में है जबकि प्रदेश सरकार इसे स्वीकृति दे चुकी है। अब केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर की सिफारिश पर केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने इस परियोजना पर कागजी काम करने के लिए हामी भर दी है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि फरीदाबाद नए रास्तों से जुड़ेगा, इससे हर नागरिक का सपना पूरा होगा।

यातायात जाम से मिलेगी राहत : इस परियोजना से एनसीआर में यातायात जाम काफी हद तक कम होगा और यात्रियों का सफर भी आसान और तेज हो जाएगा। फिलहाल फरीदाबाद से नोएडा व गाजियाबाद की सीधी व सुगम कनेक्टिविटी नहीं है।

पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय क्षेत्रों में आयोजित हुई विशेष जन चौपालें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री जनमन एवं धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जनजातीय समुदायों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की सुगम पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कुसमी विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में विशेष जन चौपालों का आयोजन किया गया इन चौपालों के माध्यम से ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को भी सुना गया। इसी क्रम में ग्राम पंचायत कमछ के ग्राम कमछ में विशेष जन चौपाल आयोजित की गई जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी ज्ञानेन्द्र मिश्र एवं बीआरसीसी एवं नोडल अधिकारी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी की उपस्थिति रही। चौपाल में जनजातीय समुदाय के लोगों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया अधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए इसी प्रकार ग्राम पंचायत गाजर के ग्राम त्रिचुली में भी विशेष जन चौपाल का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कुसमी बीआरसीसी एवं नोडल अधिकारी तथा पशु चिकित्सा अधिकारी प्रशांत सिंह उपस्थित रहे चौपाल में ग्रामीणों को शिक्षा स्वास्थ्य आजीविका, सामाजिक सुरक्षा, पशुपालन और अन्य शासकीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई धिकारियों ने बताया कि पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान का उद्देश्य विशेष रूप से जनजातीय समुदायों को शासन की योजनाओं से जोड़ते हुए उनके सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को गति देना है अभियान के तहत दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंचकर सीधे संवाद स्थापित किया जा रहा है ताकि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर और सहज रूप से मिल सके ग्रामीणों ने भी जन चौपाल के माध्यम से अपनी समस्याओं एवं सुझावों को साझा किया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी यह पहल जनजातीय क्षेत्रों में शासन और समुदाय के बीच संवाद को मजबूत करने तथा योजनाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

गर्मी और लू से बचाव के लिए नागरिकों से जागरूक रहने की अपील सावधानी बरतें, लू से खुद को सुरक्षित रखें

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और लू (तापघात) के संभावित प्रभाव को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने आमजन के लिए विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे आवश्यक सावधानियां अपनाकर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें स्वास्थ्य विभाग के अनुसार गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें बाहर जाने से पहले भोजन अवश्य करें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। सिर गर्दन और कान को गमछे या तौलिये से ढककर ही बाहर निकलें तथा छतरी और धूप के चश्मे का उपयोग करें। अधिक से अधिक पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें और घर से बाहर निकलते समय पानी साथ रखें बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है उन्हें दोपहर के समय बाहर न जाने दें और समय-समय पर पानी पीने के लिए प्रेरित करें। गर्मी में मौसमी फलों का सेवन करें तथा घर के अंदर ठंडक बनाए रखने के उपाय अपनाएं स्वास्थ्य विभाग ने कुछ सावधानियां बरतने की भी सलाह दी है बिना भोजन किए घर से बाहर न निकलें अत्यधिक धूप में लंबे समय तक खड़े होकर कार्य न करें और भीड़-भाड़ वाले गर्म एवं बंद कमरों से बचें दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच बच्चों और बुजुर्गों को बाहर न जाने दें। धूप में बच्चों या पालतू जानवरों को वाहन में अकेला न छोड़ें, नंगे पैर चलने से बचें तथा चाय, कॉफी, अत्यधिक मीठे और गैसयुक्त पेय पदार्थों का सेवन कम करें विभाग ने बताया कि लू लगने पर शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक होना त्वचा का गर्म और सूखा होना तेज सिरदर्द उल्टी या मतली मांसपेशियों में कमजोरी सांस फूलना चक्कर आना और बेहोशी जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं प्राथमिक उपचार के रूप में लू से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत छायादार स्थान पर लिटाकर उसके कपड़े ढीले करें और ठंडी हवा दें।

खिलौनों के संग पहुंचीं खुशियां, 'बचपन अभियान' ने वंचित बच्चों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। संवेदनशील प्रशासन और सामाजिक सहभागिता का सुंदर उदाहरण बनते हुए 'बचपन अभियान' के तहत सीधी शहर के विभिन्न वार्डों से सुविधासंपन्न परिवारों द्वारा पुराने एवं नए खिलौने एकत्रित कर गरीब और वंचित परिवारों के बच्चों को खुशियों का अनमोल उपहार दिया गया इस पहल ने नन्हे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरते हुए समाज में संवेदनशीलता सहयोग और अपनत्व का प्रेरक संदेश दिया

अभियान के अंतर्गत शहर के विभिन्न वार्डों से संग्रहित खिलौनों को पटपरा में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा की उपस्थिति में आंगनवाड़ी केंद्रों के बच्चों के बीच वितरित किया गया। जैसे ही बच्चों के हाथों में रंग-बिरंगे खिलौने पहुंचे, उनके चेहरे खुशी से खिल उठे और माहौल उत्साह हंसी और मासूम मुस्कानों से भर गया यह पहल इस विचार को साकार करती है कि जिन खिलौनों से एक घर के बच्चों का बचपन संवर चुका है वही खिलौने किसी अन्य बच्चे के जीवन में नई खुशियां और नई यादें जोड़ सकते हैं। समाज के सक्षम वर्ग की छोटी-सी भागीदारी वंचित बच्चों के बचपन को रंगीन बनाने का माध्यम बन सकती है कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि बच्चों की मुस्कान किसी भी अभियान की सबसे बड़ी सफलता है उन्होंने बताया कि बचपन अभियान केवल खिलौनों के वितरण तक सीमित नहीं है बल्कि यह समाज में संवेदनशीलता साझेदारी और हर बच्चे के चेहरे पर खुशी लाने का प्रयास है यह पहल इस बात का संदेश देती है कि यदि समाज और प्रशासन मिलकर संवेदनशीलता के साथ कार्य करें, तो छोटे-छोटे प्रयास भी किसी के बचपन को यादगार बना सकते हैं बचपन अभियान वास्तव में जरूरतमंद बच्चों के जीवन में खुशियों के रंग भरने वाला एक प्रेरणादायक प्रयास बनकर सामने आया है।

सर्वोच्च न्यायालय में विशेष लोक अदालत- समाधान समारोह 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को

ए.डी.आर सेन्टर भवन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी में मिडीएशन की कार्यवाही 21 मई को

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। न्याय को सरल, सुलभ एवं घर-घर तक पहुँचाने तथा आपसी सहमति के माध्यम से विवादों के समाधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह 2026 का आयोजन किया जा रहा है। उक्त संबंध में उच्च न्यायालय में लंबित पक्षकारों के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाना है इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को सर्वोच्च न्यायालय परिसर में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा इस विशेष लोक अदालत में सर्वोच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न श्रेणी के चिन्हित प्रकरण समझौते के आधार पर निराकृत किए जाएंगे। विशेष लोक अदालत में बैंकिंग एवं बीमा, सिविल (दीवानी), मोटर दुर्घटना प्रतिकर, उपभोक्ता एवं सेवा संबंधी, पारिवारिक विवाद, वाणिज्यिक एवं आर्बिट्रेशन भूमि अधिग्रहण, श्रम एवं औद्योगिक विवाद, स्थानांतरण याचिका सहित ऐसे अन्य प्रकरण शामिल किए जाएंगे जो विधि अनुसार समझौता योग्य हों उक्त समाधान समारोह में जिला सीधी के प्रकरण चिन्हित किये गए है जिसमें लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु पक्षकारों की मीडिएशन कार्यवाही जिला स्तर पर संपन्न होगी। इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी द्वारा पक्षकारों को रजिस्टर्ड डाक एवं तामीली के माध्यम से पत्र प्रेषित किये जा चुके है अतः संबंधित पक्षकारों 1. भूपेन्द्र बहादुर सिंह, 2. राजेन्द्र बहादुर सिंह, 3. बृजेन्द्र बहादुर सिंह, 4. शैलेन्द्र बहादुर सिंह 5. उपेन्द्र बहादुर सिंह 6. रंजीत सिंह 7. पूनम लालवानी 8. संतोष विश्वकर्मा 9. प्रतिभा सोनी .10. राधा 11. डी.एस. परिहार मानव विकास एवं शिक्षा समिति 12. रजिस्ट्रार अवधेश प्रताप सिह युनिवर्सिटी रीवा से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि दिनांक 21.05.2026 को प्रातः 10:30 बजे से जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर सेन्टर भवन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी में मिडीएशन की कार्यवाही हेतु आवश्यक रूप से उपस्थित हो तथा प्रकरण से संबंधित दस्तावेज साथ लाए। इस विशेष लोक अदालत का लाभ पक्षकार स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

पटपरा में इसी माह से शुरू होगा उप तहसील (टप्पा) कार्यालय संचालन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय ने तहसीलदार चुरहट को ग्राम पटपरा में उप तहसील (टप्पा) कार्यालय का संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं अपर कलेक्टर ने बताया कि पूर्व में जारी आदेश के अनुसार ग्राम पटपरा में टप्पा कार्यालय संचालित किया जाना है इसी क्रम में सप्ताह में दो दिवस मंगलवार एवं बुधवार को उपलब्ध स्टाफ एवं संसाधनों का उपयोग करते हुए सामुदायिक भवन पटपरा में उप तहसील (टप्पा) कार्यालय संचालित किया जाएगा स्थानीय स्तर पर सहजता से उपलब्ध हो सकें उप तहसील कार्यालय शुरू होने से पटपरा एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को राजस्व कार्यों के लिए दूरस्थ कार्यालयों तक नहीं जाना पड़ेगा जिससे समय और संसाधनों की बचत के साथ आमजन को त्वरित सुविधा मिल सकेगी।

पुलिस ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र लूट के मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार

बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस के साथ मिलकर पांच आरोपियों को पकड़कर सिंगरौली लाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली, (निप्र)। पुलिस ने बिहार एसटीएफ और पटना पुलिस के सहयोग से बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हुई करोड़ों की डकैती के मामले में पांच मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है आरोपियों को सोमवार और मंगलवार को बिहार एवं ओडिशा से पकड़ा गया और बुधवार को सिंगरौली लाया गया पकड़े गए आरोपियों में प्रभाकर कुमार हरभजन और रविनंदन कुमार चंदन शामिल हैं जबकि दो अन्य का नाम अभी उजागर नहीं किया गया है। पुलिस के अनुसार ये सभी आरोपी 17 अप्रैल को बैढ़न स्थित बैंक में हुई 15 करोड़ रुपए के जेवरात और 20 लाख नकद की लूट की योजना बनाने वाले मास्टरमाइंड थे जांच में पता चला है कि आरोपियों ने लूट को अंजाम देने वाले बदमाशों को फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराए और वारदात के बाद सुरक्षित भागने व छिपने में मदद की। हालांकि ये खुद बैंक में नहीं गए, लेकिन पूरी वारदात का संचालन इनके इशारे पर हुआ एडिशनल एसपी सर्वप्रिय सिंह ने बताया कि आरोपियों को बुधवार को सिंगरौली कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस अब आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी ताकि लूटे गए सोने के जेवरात बरामद किए जा सकें और गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्यों की पहचान कर उनके ठिकानों का पता लगाया जा सके सिंगरौली पुलिस की इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हुआ है कि टीमवर्क और राज्य पुलिस एजेंसियों के बीच समन्वय अपराधियों के खिलाफ निर्णायक साबित हो सकता है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के तहत जिले में 25 से 31 मई तक तंबाकू निषेध सप्ताह का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 के अवसर पर जिले में 25 मई से 31 मई 2026 तक तंबाकू निषेध सप्ताह का व्यापक आयोजन किया जाएगा इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम निकोटिन और तंबाकू की लत का आकर्षण बेनकाब करें (न्दउेंपदह जीम । चचमंस दब्वनदजमतपदह छपबवजपदम दकज्वइंबबव ककपबजपवद) निर्धारित की गई है तंबाकू निषेध सप्ताह का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को तंबाकू और निकोटिन युक्त उत्पादों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज को नशामुक्त और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है इस दौरान जिले में विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इनमें जागरूकता रैली शपथ ग्रहण कार्यक्रम हस्ताक्षर अभियान, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विशेष जागरूकता सत्र पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताएं नुक्कड़ नाटक तथा जनसंवाद कार्यक्रम शामिल रहेंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को तंबाकू सेवन के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे तंबाकू सेवन से दूर रहें और अपने परिवार, विशेषकर युवाओं एवं बच्चों को इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। विभाग का मानना है कि तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में जनभागीदारी और जागरूकता सबसे प्रभावी माध्यम है विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर आयोजित यह सप्ताह जिले में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 में कक्षा 11वीं प्रवेश परीक्षा शुरू

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 सीधी में कक्षा 11वीं प्रवेश परीक्षा 2026 का आयोजन प्रारंभ हो गया है प्राचार्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार विभिन्न विषयों एवं संकायों के लिए प्रवेश परीक्षा निर्धारित तिथियों पर आयोजित होगी जारी समय-सारणी के अनुसार 21 मई 2026 को आर्ट्स (हिंदी माध्यम/अंग्रेजी माध्यम) की परीक्षा प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक तथा कॉमर्स (हिंदी माध्यम/अंग्रेजी माध्यम) की परीक्षा दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक आयोजित की जाएगी।

जल महोत्सव के साथ ग्राम मुदरिया चौहान में एकल ग्राम नलजल योजना का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड मऊगंज के ग्राम मुदरिया चौहान में जल महोत्सव का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संजय कुमार जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम मुदरिया चौहान में एकल ग्राम नलजल योजना के तहत पुनरीक्षित कार्यों को पूर्ण कर ग्रामीण वासियों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दी गई कार्यक्रम में बताया गया कि एकल ग्राम नलजल योजना के अंतर्गत ग्राम मुदरिया चौहान में पुनरीक्षित कार्य पूर्ण कर ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है योजना के माध्यम से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 55 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी के संकल्प के अनुरूप भारत सरकार एवं राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से साकार हुई है। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर संजय कुमार जैन ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया और जल को जीवन का आधार बताते हुए इसके संरक्षण पर विशेष बल दिया उन्होंने ग्रामीणों को जल सुरक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी की शपथ दिलाई समारोह में कार्यपालन संजय पाण्डेय ने बताया कि इस योजना के माध्यम से अब ग्राम वासियों को 55 लीटर प्रति व्यक्ति के मान से निरंतर शुद्ध पेयजल प्रदाय किया जाएगा ग्रामीणों को 18 प्रकार की जानलेवा जल-जनित बीमारियों से सुरक्षित रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। कलेक्टर की उपस्थिति में ग्रामीणों से जल अधोसंरचना के संरक्षण की अपील की गई। कार्यक्रम में ग्राम मुदरिया चौहान के समस्त ग्रामीणों से कहा गया कि अपने-अपने घरों में लगे नल और घर के सामने स्थापित की गई पाइपलाइन की सुरक्षा व उसकी निगरानी स्वयं करें इस जन-भागीदारी से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी असामाजिक तत्व पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बाधित न कर सके पेयजल को सुरक्षित व स्वच्छ रखने के उद्देश्य से नल के चारों ओर साफ-सफाई बनाए रखने का कार्य घर के प्रत्येक सदस्य को जिम्मेदारी पूर्वक करना होगा कार्यक्रम में जनसमुदाय को जल संरक्षण का संदेश देते हुए प्रेरित किया गया कि जल को बचाने से ही जीवन बचेगा और जल को सुरक्षित व संयमित रखने से ही आगामी भविष्य और जन-जीवन स्वस्थ रहेगा यह शासकीय संपत्ति नहीं बल्कि आपकी अपनी धरोहर है, जिसकी रक्षा करना हर ग्रामीण का कर्तव्य है कार्यक्रम में मुदरिया चौहान की सरपंच राजकुमारी रावत,एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी सीईओ जनपद मऊगंज परमानंद तिवारी,स्थानीय जनप्रतिनिधि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

अवैध मादक पदार्थ की बिक्री पर पुलिस ने दर्ज किये 10 प्रकरण

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं के रोकथाम की दिशा में मैहर पुलिस ने 1 जनवरी 2026 से 15 मई 2026 तक 6 लाख 70 हजार कीमत का 53 किलो 118 ग्राम गांजा और 1 लाख 96 हजार 360 मूल्य की 789 शीशियां नशीली कफसिरप की जप्त कर 22 आरोपियों के विरूद्ध 10 प्रकरण दर्ज कर एनडीपीएस की कार्यवाही की है इन प्रकरणों में गांजा के परिवहन में संलिप्त 10 लाख रूपये के दो चार पहिया वाहन तथा कोरेक्स के परिवहन में 9 लाख रूपये के दो चार पहिया वाहन भी जप्त किये गये। इस आशय की जानकारी बुधवार को कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मैहर बिदिशा मुखर्जी की अध्यक्षता में संपन्न नाकार्ड की जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी गई इस मौके पर पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम एसपी मिश्रा, डॉ. आरती सिंह, दिव्या पटेल, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी सभी सीईओ जनपद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर बिदिशा मुखर्जी ने कहा कि मादक पदार्थो के उपयोग पर सभी संबंधित विभाग के अधिकारी अपने स्तर से प्रभावी कार्यवाही करें लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराकर जन जागरूकता के लगातार कार्यक्रम करें पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि नारकोटिक्स एवं अन्य नशीली दवाओं के रोकथाम के लिए पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है ।

बैठक में बताया गया कि नाकोर्ड की पिछली बैठक के निर्देशानुसार मैहर जिले में अत्यधिक मात्रा में अवैध बिक्री से संबंधित मेडीकल स्टोर्स का आकस्मिक निरीक्षण कराया गया है। जिसमें उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन सतना द्वारा न्यू विशाल मेडीकल स्टोर्स घंटाघर चौराहा मैहर के विगत तीन माह के रिकार्ड के जांच करने पर 180 बोतल कोडिंन युक्त कफसिरप की खरीदी पाई गई है।

'रुपए' से ढहती आर्थिकी

संपादकीय

भारत में एक डॉलर की कीमत 96.35 रुपए तक पहुंच चुकी है। यह घट-बढ़ भी सकती है, लेकिन व्यापक परिवर्तन संभव नहीं हैं। यह भारतीय मुद्रा 'रुपए' का सबसे निचले स्तर का अवमूल्यन है। रुपए और डॉलर के इस समीकरण के बाद विश्व में सबसे कमजोर मुद्रा 'रुपया' ही है। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है, बेशक भारत विश्व की एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। नतीजा यह है कि हमने मार्च, 2026 में जो कच्चा तेल 1.17 लाख करोड़ रुपए में खरीदा था, वही अप्रैल में 1.79 लाख करोड़ रुपए में खरीदना पड़ा है। कच्चे तेल के अलावा, गैस, खाद, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, खाद्य तेल, दालें, सोना और अन्य आयातित वस्तुएं, सेवाएं हमें महंगी खरीदनी पड़ेंगी। अंततः महंगाई बढ़ती जाएगी और आम आदमी कराहता रहेगा। सिर्फ एक ही बुनियादी कारण है-रुपए का अवमूल्यन। यह स्थिति मोदी सरकार के 12 सालों में लगातार खराब होती गई है। हालांकि 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक ने रुपए के कृत्रिम नियंत्रण की कोशिश की थी, लेकिन आज अवमूल्यन का यथार्थ सामने है। लिहाजा 'मूडीज' की ताजा रपट भी चर्चा में है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी ने निष्कर्ष दिया है कि भारत के जीडीपी की विकास दर 0.8 फीसदी कम हो गई है। वित्त वर्ष के अंत में विकास दर करीब 6 फीसदी ही रहने वाली है। सरकार 7-7.5 फीसदी की विकास दर का दावा करती रही है। रिजर्व बैंक ने भी 6.5 फीसदी तक का आकलन देना शुरू कर दिया है। एक आर्थिक वज्रपात यह भी हुआ है कि 2026 के पहले पांच महीनों में ही विदेशी निवेशकों ने 2.2 लाख करोड़ रुपए के शेयर बेच दिए हैं और भारतीय बाजार को अलविदा कह दिया है। हालांकि कुछ नई और छोटी कंपनियों में विदेशियों के निवेश अब भी मौजूद हैं, लेकिन वे अर्थव्यवस्था को अपेक्षित प्रभावित नहीं करते। ऐसे निवेशकों ने जापान, दक्षिण कोरिया और अमरीका की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की कंपनियों में निवेश करना बेहतर समझा है। अप्रैल में 60,900 करोड़ रुपए और मई में अभी तक 1.22 लाख करोड़ रुपए विदेशी निवेशक हमारे बाजार से निकाल चुके हैं।

नतीजतन भारत को विदेशी मुद्रा का भी नुकसान झेलना पड़ेगा। जो आर्थिक उथल-पुथल हम देख रहे हैं, वह पूर्णतः ईरान युद्ध के नतीजतन नहीं है। युद्ध ने तेल, गैस, खाद समेत विश्व की बुनियादी सप्लाई चेन को तोड़ कर रख दिया है। इसी दौरान भारत-संयुक्त अरब अमीरात में समझौता हुआ है कि अरब देश हमारे यहां 5 अरब डॉलर का निवेश करेगा और 3 करोड़ बैरल कच्चे तेल का भंडारण तैयार करेगा, जिसका इस्तेमाल भारत भी आपातस्थिति में कर सकेगा। इसमें समय लगेगा, क्योंकि अभी खुद अरब देश ईरान के मिसाइल-ड्रोन हमले झेलने को विवश है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की शहादत का वह सबक हमें कितना याद है?

दिलीप कुमार पाठक

(21 मई राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस)

हर साल 21 मई को पूरा देश राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी दिवस मनाता है। अखबारों की रस्मी खबरों और सरकारी बयानों के बीच क्या हम कभी सोचते हैं कि इस दिन की असली जरूरत क्या है? 21 मई हमारे इतिहास का वह काला दिन है जिसने देश की सुरक्षा और राजनीति को हमेशा के लिए बदल कर रख दिया। इसी दिन तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान लिट्टे की आत्मघाती हमलावर ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी थी। वह धमाका सिर्फ एक नेता की मौत नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता पर सीधा हमला था, जिसने देश को हिलाकर रख दिया। इस दर्दनाक हादसे के बाद तत्कालीन केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया। राजीव गांधी के बलिदान को याद रखने और देश को इस खतरे के खिलाफ एकजुट करने के लिए हर साल 21 मई को आधिकारिक तौर पर यह दिवस मनाने की शुरुआत हुई।

इस दिवस की स्थापना के पीछे का रणनीतिक संदेश बिल्कुल साफ था - देश को सचेत करना कि नफरत और कट्टरता की राजनीति राष्ट्र के सामाजिक ताने-बाने को कितना गहरा और लाइलाज जख्म दे सकती है। लेकिन तीन दशकों से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी हालात कितने बदले हैं? सोचने वाली बात है। आज भी जब हम सुबह की चाय के साथ अखबार खोलते हैं, तो सुर्खियां किसी आतंकी साजिश, धमाके या मासूमों के खून से सनी होती हैं। यह स्थिति इस बुनियादी सवाल पर सोचने को मजबूर करती है कि नीतिगत और सामाजिक स्तर पर हमसे चूक कहां हो रही है? दरअसल, हमारी सबसे बड़ी भूल यह रही कि हमने आतंकवाद को महज सरहद की समस्या और सैन्य सुरक्षा का मामला मान लिया। हमने मान लिया कि सीमाओं पर मुस्तैद फौज और सुरक्षा बलों की बंदूकें हमारा सुरक्षा कवच हैं, और बतौर नागरिक हमारी जिम्मेदारी खत्म हो गई। यही वह वैचारिक ढीलापन है जहां हम गच्चा खा रहे हैं, क्योंकि आतंकवाद ने अपना पारंपरिक चोला बदल लिया है। अब इसके ठिकाने किसी सुदूर घाटी, बंद कमरों या घने जंगलों तक सीमित नहीं हैं; इसका नया युद्धक्षेत्र हमारे ड्राइंग रूम और युवाओं की जेब में रखा मोबाइल फोन है। आज कट्टरपंथ का दौर है, जहां किसी मासूम के ब्रेनवॉश के लिए न तो भौतिक रूप से आमने-सामने आने की जरूरत है और ना ही किसी ट्रेनिंग कैंप की। सोशल मीडिया और डार्क वेब पर तैरता एक छोटा सा भड़काऊ वीडियो, कोई फेक न्यूज या एडिटेड विजुअल किसी भी संवेदनशील युवा के मन में नफरत का बारूद भरने के लिए काफी है। आतंकवाद न तो किसी मजहब की बपौती है और न ही इसकी कोई राष्ट्रीयता होती है, इसका एकमात्र एजेंडा समाज में अविश्वास की खाई खोदना और देश के सांप्रदायिक सौहार्द को पंगु बनाना है। जब कोई आत्मघाती हमला या विस्फोट होता है, तो बारूद के वो छर्रे किसी का मजहब या जाति देखकर रास्ता नहीं बदलते। वे सिर्फ इंसानी बस्तियों को उजाड़ते हैं और हंसते-खेलते परिवारों के भविष्य को हमेशा के लिए दफन कर देते हैं।

इस नफ़रत ने देश का बहुत बड़ा नुकसान किया है, जिसकी भरपाई नहीं हो सकती, लिहाज़ा हम सुरक्षा का पूरा जिम्मा सिर्फ सेना या पुलिस पर न छोड़ें। आज के दौर में एक सजग नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारी कहीं ज्यादा बढ़ गई है। इंटरनेट पर फैल रही नफरत और कट्टरता का मुकाबला सिर्फ कानून के भरोसे नहीं किया जा सकता, इसके लिए हमें समाज में आपसी बातचीत और भाईचारे को बढ़ाना होगा। अगर हमारे आसपास कोई युवा गुमराह हो रहा है या सोशल मीडिया पर गलत राह पकड़ रहा है, तो हमें उसे सही समय पर टोकना और संभालना होगा। सच तो यह है कि जब समाज में अपनों के बीच बातचीत बंद हो जाती है, तभी आतंकवाद को पैर पसारने का मौका मिलता है। इस दिन को मनाने का असली फायदा तभी है जब हम युवाओं के लिए पढ़ाई और रोजगार के ऐसे बेहतर मौके बनाएं, जहां किसी के मन में गलत रास्ता चुनने का खयाल ही न आए। आतंकवाद के खिलाफ यह जंग सिर्फ बंदूकों से नहीं, बल्कि सही सोच और जनता की एकजुटता से ही जीती जा सकती है।

गर्मी में योग : स्वस्थ जीवन, शांत मन और सशक्त शरीर का आधार

कांतिलाल मांडोत

आज का मनुष्य समस्याओं, तनाव, भागदौड़ और मानसिक अशान्ति से घिरा हुआ है। जीवन की गति इतनी तेज हो चुकी है कि व्यक्ति स्वयं से ही दूर होता जा रहा है। कभी आर्थिक समस्या, कभी पारिवारिक तनाव, कभी शारीरिक रोग तो कभी मानसिक बेचैनी–मनुष्य हर क्षण किसी न किसी चिंता में उलझा रहता है। विशेषकर गर्मी के मौसम में यह स्थिति और अधिक कठिन हो जाती है। तीखी धूप, बढ़ता तापमान, शरीर में पानी की कमी, थकान, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा और मानसिक तनाव व्यक्ति को कमजोर बना देते हैं। ऐसे समय में यदि कोई उपाय शरीर और मन दोनों को संतुलित कर सकता है, तो वह है योग।

योग केवल व्यायाम नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण जीवन को संतुलित करने की एक वैज्ञानिक पद्धति है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। योग मनुष्य को केवल रोगमुक्त ही नहीं बनाता, बल्कि उसे भीतर से शक्तिशाली, शांत और प्रसन्न भी बनाता है। वर्तमान समय में योग की उपयोगिता पूरे विश्व में स्वीकार की जा रही है। भारत की यह प्राचीन धरोहर आज विदेशों तक पहुँच चुकी है और करोड़ों लोग इसे अपने जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है, पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है और मन बेचैन रहने लगता है। लगातार पसीना निकलने से शरीर में ऊर्जा की कमी महसूस होती है। ऐसे में योग शरीर को नई ऊर्जा प्रदान करता है। प्राणायाम और ध्यान शरीर को ठंडक पहुँचाते हैं तथा मन को शांत बनाते हैं। योग करने से शरीर में रक्तसंचार ठीक रहता है और शरीर का तापमान संतुलित बना रहता है। इससे गर्मी का प्रभाव कम महसूस होता है।

गर्मी में योग करने का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शरीर को अंदर से शीतलता प्रदान करता है। शीतली प्राणायाम, शीतकारी प्राणायाम और अनुलोम-विलोम जैसे योगाभ्यास शरीर की गर्मी को कम करते हैं। ये मन को शांत करते हैं और तनाव दूर करते हैं। जो लोग गर्मी में बेचैनी, घबराहट और चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं, उनके लिए योग किसी औषधि से कम नहीं है। योग करने से मानसिक स्थिरता बढ़ती है और व्यक्ति सकारात्मक सोचने लगता है।

आज अनेक बीमारियों का मूल कारण असंतुलित जीवनशैली और मानसिक तनाव है। गर्मी के दिनों में रक्तचाप, डिहाइड्रेशन, सिरदर्द, अनिद्रा, थकान और त्वचा संबंधी समस्याएँ अधिक बढ़ जाती हैं। योग इन सभी समस्याओं से बचाने में सहायक सिद्ध होता है। नियमित योगाभ्यास से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और व्यक्ति जल्दी बीमार नहीं पड़ता। योग शरीर को लचीला बनाता है तथा मांसपेशियों को मजबूत करता है। इससे शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है।

स्वास्थ्य की दृष्टि से योग अत्यन्त आवश्यक बन गया है। आधुनिक जीवन में मनुष्य मशीनों पर निर्भर होता जा रहा है। शारीरिक श्रम कम हो गया है और मानसिक तनाव बढ़ गया है। ऐसे समय में योग ही वह साधन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रख सकता है। योग के माध्यम से व्यक्ति स्वयं को अनुशासित बनाना सीखता है। यह केवल रोगों का उपचार नहीं करता, बल्कि रोगों को होने से भी रोकता है।

योग का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह मनुष्य को मानसिक शांति प्रदान करता है। आज लोग धन और सुख-सुविधाएँ तो प्राप्त कर रहे हैं, परन्तु शांति उनसे दूर होती जा रही है। योग मन की चंचलता को नियंत्रित करता है और व्यक्ति को आत्मिक सुख का अनुभव कराता है। ध्यान और प्राणायाम के अभ्यास से मन एकाग्र होता है। इससे पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की स्मरण शक्ति बढ़ती है और काम करने वाले लोगों की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।

गर्मी में सुबह के समय खुले वातावरण में योग करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। प्रातःकाल की शुद्ध हवा शरीर और मन को नई ताजगी देती है। सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, भुजंगासन और शवासन जैसे योगासन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक हैं। शवासन विशेष रूप से गर्मी में लाभदायक माना जाता है क्योंकि यह शरीर और मन को गहरा आराम देता है।

योग केवल शरीर को ही नहीं बदलता, बल्कि मनुष्य के व्यक्तित्व का भी विकास करता है। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और व्यक्ति को धैर्यवान बनाता है। योग करने वाला व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में भी संतुलित बना रहता है। उसमें सहनशीलता और सकारात्मकता बढ़ती है। यही कारण है कि आज डॉक्टर, वैज्ञानिक, शिक्षक और विद्यार्थी सभी योग को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानने लगे हैं। विदेशों में भी योग के प्रति लोगों का आकर्षण तेजी से बढ़ रहा है। अमेरिका, जापान, रूस और यूरोप के अनेक देशों में योग केंद्र स्थापित किए गए हैं। वहाँ लोग मानसिक तनाव और अस्वस्थ जीवनशैली से परेशान होकर योग की ओर आकर्षित हो रहे हैं। वे समझ चुके हैं कि केवल भौतिक सुखों से जीवन में शांति नहीं मिल सकती। भारत की यह प्राचीन विद्या आज पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन जीने की राह दिखा रही है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि जहाँ विदेशी लोग योग को अपनाकर लाभ उठा रहे हैं, वहीं अनेक भारतीय इससे दूर होते जा रहे हैं। आधुनिकता की दौड़ में लोग अपनी संस्कृति और परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। जबकि योग हमारी अमूल्य धरोहर है। यदि हम इसे अपने जीवन में अपनाएँ, तो अनेक शारीरिक और मानसिक समस्याओं से बच सकते हैं। योग में अपार शक्ति छिपी हुई है। यह व्यक्ति के भीतर सोई हुई ऊर्जा को जागृत करता है। योग के माध्यम से मनुष्य अपने जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सुखी बना सकता है। विशेष रूप से गर्मी के मौसम में योग का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। यह शरीर को शीतलता देता है, मन को शांति प्रदान करता है और स्वास्थ्य को मजबूत बनाता है।

अंततः कहा जा सकता है कि योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि स्वस्थ और सफल जीवन जीने की कला है। यह मनुष्य को रोगों, तनाव और अशांति से दूर ले जाकर सुख, शांति और आत्मविश्वास प्रदान करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाए। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय योग के लिए निकालें, तो हम न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे, बल्कि मानसिक रूप से भी प्रसन्न और संतुलित जीवन जी सकेंगे। यही योग का वास्तविक उद्देश्य और सबसे बड़ा लाभ है।

कहो तो कह दूं- ओ मेरे सोना रे, सोना रे, सोना रे, दे दूंगी जान जुदा मत होना रे...

चैतन्य भट्ट

इन दोनों अगर सबसे ज्यादा चर्चा किसी चीज की हो रही है तो वो है सोना मेरा मतलब नींद से नहीं बल्कि धातु कहे जाने वाले सोने से है। हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी जी ने लोगों से अपील की है कि लोग बाग एक साल तक सोना ना खरीदे ताकि देश की धनराशि में बचत हो सके। कई लोगों ने उनके सुझाव पर अमल भी शुरू कर दिया लेकिन अपने देश में तो बच्चा पैदा होने से लेकर मरने तक में सोने की जरूरत पड़ती है ऐसा कौन सा आयोजन है जिसमें सोना ना लगता हो? आज से नहीं पुरातन काल से सोने के प्रति लोगों में जबरदस्त आकर्षण रहा है लोग बात कहते थे कि सोना खरीद लो वक्त जरूरत पर काम आएगा क्योंकि सोना ही एक ऐसी चीज है जो आधी रात को भी बिक जाती है या फिर उसको गिरवी रखकर सुनार से या साहूकार से नगद पैसा मिल सकता है महिलाओं को तो सोना विशेष कर ज्यादा ही पसंद है उनके सारे जेवराज सोने के ही बने रहते हैं आजकल वैसे सोने की तर्ज पर बेंटेक्स के कुछ नकली जेवरात भी मार्केट में अवेलेबल हैं लेकिन हर महिला चाहती है कि वो असली खरे सोने के जेवरात पहने ,दक्षिण भारत में तो सोने के प्रति अगाध प्रेम है दस दस तोले वाली चेन पहनने का रिवाज है महिलाएं भी भारीभरकम जेवरात अपने शरीर पर धारण करती है ।सोने का कितना महत्व है इस पर गीतकारों ने भी कई गीत रचे हैं चाहे वो मेरा गांव मेरा देश का सोना लई जा रे चांदी लई जा रे गीत हो या फिर बॉबी का ना मांगू सोना चांदी, ना मांगू हीरा मोती या फिर राजा हिंदुस्तानी का कितना सोना तुझे रब ने बनाया या फिर बहुत पुरानी देवानंद की फिल्म माया का कोई सोने के दिल वाला कोई चांदी के दिल वाला या फिर गोविंदा और करिश्मा की फिल्म हीरो नंबर वन का सोना कितना सोना है सोने जैसा तेरा दिल । गजलों में भी सोने का जबरदस्त प्रयोग हुआ पंकज उदास की एक बहुत मशहूर गजल आज भी उतनी ही मशहूर है जितनी पहले थी चांदी जैसा रंग है तेरा सोने जैसे बाल एक तू ही धनवान है गोरी बाकी सब कंगाल और सही बात है जिसके पास सोना होता है वही धनवान होता है क्योंकि सोने के दाम तो हमेशा बढ़ते ही आए हैं और रुपया हमेशा गिरता रहा यही कारण है कि बड़े बूढ़े सोना खरीदने की सलाह देते रहते हैं । पता तो ये लगा है कि अपने भारत के घरों में ही लगभग पच्चीस हजार टन से लेकर पचास हजार टन सोना रखा हुआ है मंदिरों की तो बात ही छोड़ दो। महबूबा भी कई बार अपने आशिक को सोने के रूप में देखती है और यही कारण है कि फिल्म तीसरी मंजिल में शम्मी कपूर को देखकर आशा पारेख गाती है ओ मेरे सोना रे, सोना रे, सोना रे दे दूंगी जान जुदा मत होना ये बात उस जमाने में सही होगी शम्मी कपूर के लिए, लेकिन आज ये बात पूरी तरह से महिलाओं पर लागू है जो सोने से कह रही हैं कि दे दूंगी जान जुदा मत होना रे । प्रधानमंत्री जी की अपील पर कौन कितना ध्यान देता है यह देखना अभी दिलचस्प होगा क्योंकि सोने के प्रति मोह को इतनी जल्दी कम करना बड़ा कठिन काम है और दूसरी बात ये भी है कि सोना एक ऐसी चीज है जिसके दाम हमेशा बढ़ते ही आए हैं एक सूचना के अनुसार पिछले 600 साल का रिकॉर्ड यही बताता है कि सोने के दामों में कभी कमी नहीं आई और अब तो सोना ईटीएफ में भी खरीदा जा सकता है यानी अपने पास रखने की जरूरत नहीं है अपना डिमैट अकाउंट खोलो सोना खरीदो और सोना बेचो।

इसको कहते हैं दूरदृष्टी- दिल्ली महाराष्ट्र, तेलंगाना और हरियाणा कैडर समेत देश भर के 50 के लगभग आइएएस और आइपीएस अधिकारियों ने अप्रैल 2022 में एक ही पंजीकरण दस्तावेज़ के माध्यम से एक ही दिन में भोपाल के पास गुराडी घाट एरिया में 2.023 हेक्टेयर (लगभग पांच एकड़) कृषि भूमि खरीदी। जमीन की इस खरीदी को अचल संपत्ति विवरण (आईपीआर) में समान विचारधारा वाले अधिकारियों द्वारा अधिग्रहित संपत्ति के रूप में वर्णित किया गया।

दवा के नाम पर मौत, इलाज के नाम पर भय कब तक?

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी सेना, अर्थव्यवस्था, तकनीकी उपलब्धियों या ऊंची इमारतों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने नागरिकों के जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति कितना संवेदनशील है। स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी देश की आत्मा होती है। अस्पताल केवल भवन नहीं होते, वे जीवन की उम्मीद के केंद्र होते हैं। डॉक्टर केवल पेशेवर व्यक्ति नहीं होता, वह मौत और जीवन के बीच खड़ा वह संवेदनशील रक्षक होता है, जिस पर मनुष्य सबसे अधिक विश्वास करता है।

ललित गर्ग

लेकिन जब यही स्वास्थ्य व्यवस्था भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े, मुनाफाखोरी और अनैतिकता की गिरफ्त में आ जाए, तब समाज का विश्वास टूटने लगता है और चारों तरफ अंधेरा ही अंधेरा दिखाई देने लगता है। आज भारत में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी जो घटनाएं सामने आ रही हैं, विशेषकर मध्यप्रदेश और राजस्थान की घटनाओं ने इसी भयावह यथार्थ को उजागर किया है। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 तक स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे होने पर विकसित भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं बनाई जा रही हैं। आर्थिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, आधारभूत ढांचे का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और वैश्विक मंचों पर भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा आशा जगाती है। लेकिन इसी बीच स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती धांधलियां, फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियां, नकली दवाओं का कारोबार, अस्पतालों में मुनाफाखोरी और चिकित्सा सेवाओं का व्यवसायीकरण इस विकास यात्रा पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। यदि नागरिकों का जीवन ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो विकास के सारे दावे खोखले प्रतीत होंगे। मध्यप्रदेश के दमोह और जबलपुर के सरकारी अस्पतालों में फर्जी डॉक्टरों की नियुक्तियों का खुलासा किसी एक राज्य की प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि पूरे स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरी का प्रतीक है। इससे भी अधिक चिंताजनक मामला राजस्थान मेडिकल काउंसिल में सामने आया, जहां ऐसे लोगों को डॉक्टर के रूप में पंजीकृत कर दिया गया जिन्होंने न मेडिकल शिक्षा प्राप्त की और न ही आवश्यक इंटर्नशिप की। यह केवल कागजी अनियमितता नहीं, बल्कि लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने वाला गंभीर अपराध है। एक अयोग्य व्यक्ति जब डॉक्टर बनकर मरीजों के सामने बैठता है, तब वह इलाज नहीं करता, बल्कि मानव जीवन पर प्रयोग करता है, उसके कारण जिंदगी मौत में बदल जाती है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि ऐसे लोग व्यवस्था में प्रवेश कैसे कर जाते हैं? क्या कोई व्यक्ति अकेले इतना बड़ा फर्जीवाड़ा कर सकता है? निश्चित रूप से नहीं। इसके पीछे सत्यापन तंत्र की विफलता, विभागीय मिलीभगत और संस्थागत भ्रष्टाचार की परतें मौजूद होती हैं। जब मेडिकल काउंसिल, अस्पताल प्रशासन और परीक्षा एवं पंजीयन संस्थाओं की भूमिका संदेह के घेरे में आ जाए, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि बीमारी केवल व्यक्ति में नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था में फैल चुकी है। आज चिकित्सा क्षेत्र का संकट केवल फर्जी डॉक्टरों तक सीमित नहीं है। निजी अस्पतालों में मुनाफाखोरी ने स्वास्थ्य सेवा के मानवीय स्वरूप को गंभीर क्षति पहुंचाई है। मरीज की विवशता को आर्थिक अवसर में बदल देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। अनेक मामलों में अनावश्यक जांचें कराना, जरूरत न होने पर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करना, वेंटिलेटर पर रखना, अत्यधिक बिल बनाना और उपचार को लंबा खींचना आम शिकायतें बन चुकी हैं। मरीज अस्पताल में इलाज के लिए जाता है, लेकिन कई बार आर्थिक और मानसिक शोषण का शिकार होकर लौटता है। चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य पीड़ा दूर करना था, लेकिन कई स्थानों पर वह व्यापार और लाभ कमाने का माध्यम बन गई है।

सरकारी अस्पतालों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। गरीब और जरूरतमंद नागरिकों के लिए बने इन संस्थानों में संसाधनों की कमी, कर्मचारियों की लापरवाही, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की दखलअंदाजी ने व्यवस्था को कमजोर किया है। कई बार मुफ्त दवाएं मरीजों तक नहीं पहुंचतीं, मशीनें अनुपयोगी पड़ी रहती हैं, जांचों में देरी होती है और मरीज अस्पतालों के चक्कर लगाते-लगाते टूट जाता है। गरीब व्यक्ति के लिए बीमारी केवल शारीरिक पीड़ा नहीं रहती, बल्कि आर्थिक और मानसिक संकट भी बन जाती है। आज एक और गंभीर संकट सामने आया है-डॉक्टर बनने की अंधी दौड़ और शॉर्टकट संस्कृति। नीट जैसी परीक्षाओं में धांधलियों ने पहले ही देश को झकझोर दिया है। यदि प्रवेश प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाए और उसके बाद फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर व्यवस्था में प्रवेश करने लगें, तो यह पूरे चिकित्सा तंत्र की विश्वसनीयता को समाप्त कर देगा। डॉक्टर बनने के पीछे वर्षों की कठिन पढ़ाई, प्रशिक्षण, अनुशासन और संवेदनशीलता की साधना होती है। लेकिन यदि इस प्रक्रिया को धन, भ्रष्टाचार और जालसाजी से बदल दिया जाएगा तो परिणाम केवल भयावह ही होंगे। यह स्थिति केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का संकट भी है। जब नागरिक डॉक्टर की योग्यता पर संदेह करने लगें, अस्पतालों में भय के साथ प्रवेश करें और दवा खरीदते समय उसकी प्रामाणिकता को लेकर आशंकित रहें, तब यह किसी भी राष्ट्र के लिए खतरनाक संकेत है। स्वास्थ्य व्यवस्था में विश्वास टूटना समाज की आत्मा पर चोट पहुंचाने जैसा है।

दुनिया के विकसित देशों में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े अपराधों को अत्यंत गंभीर माना जाता है। वहां फर्जी चिकित्सकों को केवल नौकरी से नहीं हटाया जाता, बल्कि आजीवन प्रतिबंध, भारी आर्थिक दंड और आपराधिक मुकदमों का सामना करना पड़ता है। कई देशों में डॉक्टरों के पंजीकरण और प्रमाणपत्रों का नियमित सत्यापन होता है तथा डिजिटल निगरानी व्यवस्था इतनी मजबूत होती है कि फर्जीवाड़े की संभावना बहुत कम रह जाती है। इसके विपरीत भारत में कई बार जांच प्रक्रिया लंबी, जटिल और धीमी होती है। वर्षों तक जांच चलती रहती है और दोषी बच निकलते हैं। यह व्यवस्था अपराधियों में भय नहीं, बल्कि निर्भीकता पैदा करती है। अब समय केवल चिंता व्यक्त करने या औपचारिक आश्वासनों का नहीं, बल्कि निर्णायक और कठोर कदम उठाने का है। देश के प्रत्येक पंजीकृत डॉक्टर का लाइव डिजिटल डेटाबेस तैयार किया जाना चाहिए, जहां कोई भी नागरिक एक क्लिक पर डॉक्टर की योग्यता, पंजीकरण संख्या, मेडिकल कॉलेज और सेवा विवरण की पुष्टि कर सके। मेडिकल काउंसिलों को केवल कागजी संस्थाएं नहीं, बल्कि सक्रिय निगरानी तंत्र बनाना होगा।

अस्पतालों का नियमित निरीक्षण हो, डॉक्टरों के दस्तावेजों का रैंडम फिजिकल वेरिफिकेशन किया जाए और फर्जीवाड़ा पकड़े जाने पर केवल फर्जी डॉक्टर ही नहीं, बल्कि उसके दस्तावेज पास करने वाले अधिकारी और सत्यापन करने वाले कर्मचारी भी सह-आरोपी बनाए जाएं। जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक व्यवस्था नहीं सुधरेगी। इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा में नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को पुनर्स्थापित करना होगा। चिकित्सा केवल रोजगार नहीं, सेवा का क्षेत्र है। डॉक्टर का पहला धर्म लाभ कमाना नहीं, जीवन बचाना होना चाहिए। यदि चिकित्सा क्षेत्र से संवेदनाएं समाप्त हो जाएंगी तो मशीनें बचेंगी, मानवता नहीं। आज समाज एक गहरे भय और असुरक्षा के दौर से गुजर रहा है। जब रक्षक ही भक्षक बन जाएं, जब जीवन बचाने वाले ही जीवन के लिए खतरा बन जाएं, जब अस्पतालों में भरोसे की जगह डर और संदेह बैठ जाए, तब नागरिक कहां जाए? यह प्रश्न केवल मध्यप्रदेश और राजस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश के सामने खड़ा है। यह केवल चिकित्सा व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नैतिक पतन और सामाजिक विघटन का संकेत है।

जिले को मिली हाईटेक सुरक्षा की नई ताकत : स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा को दिखाई हरी झंडी

अब हर आपात स्थिति में मिलेगी और तेज मदद, जिले को मिलीं 8 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ स्थित कोतवाली थाना परिसर में आज जिले की सुरक्षा एवं आपातकालीन सेवाओं को नई मजबूती मिली जब स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े एवं पुलिस अधीक्षक रतना सिंह की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ डायल-112 फेज- II (नेक्स्ट जेन) सेवा के तहत जिले को प्राप्त 8 अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल (ERV) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने कहा कि आज एमसीबी जिले के लिए ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण दिन है। डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा के माध्यम से जिले को आधुनिक तकनीक से लैस इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल एवं एम्बुलेंस की सौगात मिली है जिससे आपातकालीन सेवाएं पहले से अधिक तेज प्रभावी और

भरोसेमंद बनेंगी उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा गृह मंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों की सुरक्षा और त्वरित राहत सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है नई व्यवस्था से दुर्घटना अपराध स्वास्थ्य आपातकाल महिला सुरक्षा अग्निकांड और अन्य संकट की स्थिति में लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी मंत्री जायसवाल ने बताया कि इन अत्याधुनिक वाहनों में GPS सिस्टम, PTZ कैमरा डैश कैमरा मोबाइल डेटा टर्मिनल (MDT) स्मार्ट मोबाइल फोन सहित कई आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। इससे घटनास्थल तक त्वरित पहुंच सुनिश्चित होगी और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी भी बेहतर तरीके से की जा सकेगी इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रतना सिंह ने बताया कि जिले को प्राप्त 8 इमरजेंसी रिस्पांस व्हीकल में से 7 वाहन 24 घंटे लगातार जिले के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित किए जाएंगे जबकि 1 वाहन को रिजर्व रखा गया है ताकि किसी भी तकनीकी या आकस्मिक परिस्थिति में सेवाएं बाधित न हों उन्होंने कहा कि इन वाहनों के संचालन से शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में पुलिस सहायता और आपात सेवाओं की पहुंच और अधिक सशक्त होगी आधुनिक तकनीक से लैस ये वाहन किसी भी आपदा, दुर्घटना या आपात स्थिति में त्वरित राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि डायल-112 सेवा वर्ष 2018 से प्रदेश में संचालित है लेकिन फेज-II नेक्स्ट जेन के तहत अब इसका विस्तार प्रदेश के सभी 33 जिलों तक कर दिया गया है। इस नई प्रणाली के माध्यम से पुलिस स्वास्थ्य सेवा अग्निशमन सेव महिला हेल्पलाइन चाइल्ड हेल्पलाइन आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय हाईवे सेवाओं को एकीकृत प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया है जिससे नागरिकों को एक ही नंबर 112 पर समन्वित आपातकालीन सहायता उपलब्ध हो सकेगी प्रदेशभर में इस परियोजना के तहत लगभग 400 इमरजेंसी रिस्पॉन्स व्हीकल तैनात किए जा रहे हैं। साथ ही सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए अत्याधुनिक Primary Centralized Command and Control Centre Secondary Command and Control Centre भी स्थापित किए गए हैं जिससे तकनीकी बाधा की स्थिति में भी सेवाएं निर्बाध रूप से जारी रहेंगी कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे डायल-112 नेक्स्ट जेन सेवा के शुभारंभ से जिले में सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन सेवाओं को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026-27 का मॉडल उत्तर जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री बाल भविष्य योजना अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में कक्षा 9वीं प्रवेश परीक्षा (सत्र 2026-27) के मॉडल उत्तर जारी कर दिए गए हैं। कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर जाकर मॉडल आंसर देख सकते हैं आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि प्रयास आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु परीक्षा का आयोजन 10 मई 2026 को किया गया था। परीक्षा के मॉडल उत्तर अब विभाग की आधिकारिक वेबसाइट [eklavya.cg.nic.in](httpsÑ//eklavya.cg.nic.in/?utm_source=chatgpt.com) पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को अपने उत्तरों का मिलान करने और आवश्यक होने पर दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है जारी सूचना के अनुसार यदि किसी अभ्यर्थी को मॉडल उत्तर पर कोई आपत्ति या दावा प्रस्तुत करना है तो उसे आवश्यक दस्तावेज एवं प्रमाण सहित आवेदन देना होगा दावा-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30 मई 2026 रात्रि 12 बजे तक निर्धारित की गई है विभाग ने स्पष्ट किया है कि मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के परीक्षार्थियों को दावा-आपत्ति आवेदन सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर जमा करना होगा। डाक अथवा अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। साथ ही बिना प्रमाण के प्रस्तुत दावा-आपत्तियों को अमान्य माना जाएगा आदिवासी विकास विभाग के अनुसार प्राप्त सभी दावा-आपत्तियों का परीक्षण विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा किया जाएगा। विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य होगा। विभाग ने अभ्यर्थियों एवं पालकों से समय-सीमा के भीतर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने और विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी का अवलोकन करने की अपील की है।

बगीचा सरकार मंदिर विवाद में गुर्जर समाज का प्रदर्शन: हमलावरों पर कार्रवाई की मांग, 10 दिन का समय दिया आंदोलन की दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के करेरा स्थित बगीचा सरकार हनुमान मंदिर में 9 मई को पूजा को लेकर हुए विवाद ने अब तूल पकड़ लिया है बुधवार को राष्ट्रीय गुर्जर स्वाभिमान संघर्ष समिति संत समाज और सकल समाज के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया और दोषियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया: प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मंदिर परिसर में मारपीट और हमले की घटना के बावजूद पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की है। उनका कहना है कि केवल एक पक्ष पर एफआईआर दर्ज की गई, जबकि दूसरे पक्ष के लोगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई गुर्जर समाज के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि मंदिर में घुसकर हमला करने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी लेकिन इसके बजाय पीड़ित पक्ष पर ही मामला दर्ज कर दिया गया समाज ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि राजेश दुबे उर्फ भोला पंडित करीब 200 लोगों के साथ दोबारा मंदिर पहुंचा और वहां भय का माहौल बनाने तथा झगड़ा करने का प्रयास किया समाज ने मांग की है कि ऐसे लोगों को मंदिर परिसर के आसपास आने से रोका जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि राजेश दुबे पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

9 मई की रात हुई थी मारपीट: समिति के अनुसार 9 मई की रात करीब 10:30 बजे राजेश दुबे 20 से 25 लोगों के साथ बगीचा सरकार मंदिर पहुंचा था। आरोप है कि वहां महंत और अन्य भक्तों पर हमला किया गया हालांकि विवाद के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी लेकिन पुलिस ने केवल एक पक्ष के खिलाफ कार्रवाई की।

सीसीटीवी फुटेज का दिया हवाला: प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि फुटेज में सुधीर दुबे, प्रिंस दुबे, अंशुमान और धर्मेंद्र सहित अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं समाज ने दर्ज धाराओं की निष्पक्ष जांच की मांग की है समाज ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर दोषियों पर निष्पक्ष कार्रवाई नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा।

पुलिस प्रशिक्षण शाला भौंरी में चतुर्थ नव आरक्षक बैच का दीक्षांत समारोह संपन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। पुलिस प्रशिक्षण शाला भौंरी में भव्य दीक्षांत परेड समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें चतुर्थ नव आरक्षक बैच के 521 प्रशिक्षु विधिवत रूप से मध्यप्रदेश पुलिस की मुख्य धारा में शामिल हुए समारोह में पुलिस आयुक्त भोपाल संजय कुमार ने दीक्षांत परेड की सलामी ली और खुली जिप्सी में परेड का निरीक्षण किया नव आरक्षकों में 322 महिला और 199 पुरुष शामिल थे पुलिस आयुक्त संजय कुमार ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत परेड पुलिसकर्मियों के जीवन का महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने नव आरक्षकों को ईमानदारी अनुशास संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना के साथ अपने दायित्व निभाने की प्रेरणा दी उन्होंने बताया कि पुलिसकर्मी समाज के पीड़ित और कमजोर व्यक्तियों के लिए आशा की किरण होते हैं और उनके आचरण से ही विभाग की छवि निर्मित होती है उप निदेशक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान नव आरक्षकों को आधुनिक पुलिसिंग साइबर अपराध सामुदायिक पुलिसिंग थाना प्रबंधन शारीरिक दक्षता आर्म्स प्रशिक्षण यूएसी योगा एवं हार्टफुलनेस का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं प्रशिक्षुओं के परिजन भी उपस्थित रहे। नव आरक्षकों को शपथ दिलाई गई और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थी का पुरस्कार नव आरक्षक रामनिवास मिश्रा को, बाह्य प्रशिक्षण में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार नव आरक्षक मनीष राठौर को है ।

जवाहर उत्कर्ष योजना 2026-27 की प्रवेश परीक्षा समय-सारणी जारी कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए 7 अगस्त को होगी परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) अंतर्गत वर्ष 2026-27 में कक्षा 6वीं प्रवेश हेतु आयोजित चयन परीक्षा की समय-सारणी जारी कर दी गई है। कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास) मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा जारी सूचना के अनुसार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के चयन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि योजना के माध्यम से योग्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर प्रदान किए जाएंगे। विभाग ने आवेदन प्रक्रिया, परीक्षा तिथियों एवं दिशा-निर्देशों की जानकारी जारी करते हुए विद्यार्थियों और पालकों से समय-सीमा का पालन करने की अपील की है जारी कार्यक्रम के अनुसार विद्यार्थी 20 जून 2026 तक अपने आवेदन पत्र संबंधित विद्यालय में जमा कर सकेंगे। इसके बाद विद्यालय प्रमुख आवेदन पत्रों को खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भेजेंगे। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा संकुलवार सूची तैयार कर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा प्रवेश परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र 24 जुलाई 2026 को जिला मुख्यालय से वितरित किए जाएंगे। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कार्यालय के अधिकृत प्रतिनिधि नव रायपुर अटल नगर से प्रश्न पत्र प्राप्त कर उन्हें सुरक्षित रूप से जिला मुख्यालय तक पहुंचाएंगे विभागीय कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा संबंधी प्रक्रिया 26 जुलाई 2026 को आयोजित होगी तथा 27 जुलाई को परिणाम संकलित कर दावा-आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे दावा-आपत्ति निराकरण की अंतिम तिथि 3 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद राज्य मुख्यालय द्वारा अंतिम मेरिट सूची जारी की जाएगी। कक्षा 6वीं की प्रवेश परीक्षा 7 अगस्त 2026, शुक्रवार को आयोजित होगी।

डायल-112 जवानों ने बचाई तीन घायलों की जान कार में फँसे लोगों को सुरक्षित निकालकर पहुँचाया अस्पताल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। सागर जिले के थाना बंडा क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित कार्रवाई और साहसिक प्रयास से सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोगों की जान बचाई गई हादसे के बाद मौके पर पहुँचकर जवानों ने कार में फँसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर समय पर अस्पताल पहुँचाया जानकारी के अनुसार 19-20 मई की मध्यरात्रि थाना बंडा क्षेत्र अंतर्गत सोनी पेट्रोल पंप के आगे सागर रोड पर एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीन लोग अंदर ही फँस गए घटना की सूचना एक राहगीर ने बड़ा चौराहा नोडल प्वाइंट पर तैनात डायल-112 टीम को दी, जिसके बाद सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल में

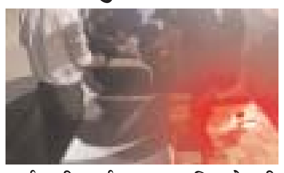

दर्ज की गई सूचना मिलते ही डायल-112 स्टाफ आरक्षक सोवरन यादव और पायलट सोने सिंह लोधी तत्काल घटनास्थल पर पहुँचे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जवानों ने राहगीरों की मदद से कार में फँसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला घटना में घायल एक व्यक्ति को तत्काल एफआरव्ही वाहन से बंडा अस्पताल पहुँचाया गया जबकि अन्य दो घायलों को परिजनों के साथ निजी वाहन से उपचार के लिए सागर भेजा गया डायल-112 टीम की त्वरित प्रतिक्रिया और मानवीय संवेदनशीलता के कारण घायलों को समय पर चिकित्सकीय सहायता मिल सकी।

संवाद से समाधान बना जनविश्वास का महाअभियान नारायणपुर शिविर में उमड़ा जनसैलाब, हजारों ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी पहल 'सुशासन तिहार 2026' के तहत विकासखंड मनेंद्रगढ़ की ग्राम पंचायत नारायणपुर में आयोजित विशाल जनसमस्या निवारण शिविर जनविश्वास और सुशासन का बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया साल वृक्ष के नीचे आयोजित इस शिविर में 10 ग्राम पंचायतों के हजारों ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया संवाद से संपूर्ण समाधान थीम पर आयोजित शिविर में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ जिला पंचायत सदस्य श्रीमती यशवंती सिंह, जनपद अध्यक्ष जानकी बाई कुसरो, जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा

सहित अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बौरीडांड, चनवारीडांड, चौघड़ा तेंदूडांड, पाराडोल बंजी बुंदेली, नारायणपुर, छिपछिपी और भौंता पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं और आवेदन लेकर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने संवेदनशीलता के साथ समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। शिविर में कुल 536 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए शिविर में स्वास्थ्य, कृषि समाज कल्याण महिला एवं बाल विकास वन राजस्व, खाद्य पुलिस आयुष्मान भारत, मनरेगा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। पात्र हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड किसान किताब, प्रधानमंत्री आवास की चाबी और आधार अपडेट जैसी सुविधाएं तत्काल प्रदान की गईं। पांच हितग्राहियों को छड़ी भी वितरित की गई कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार तथा स्कूली बच्चों को गणवेश वितरण जैसे भावनात्मक आयोजन भी हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव-गांव पहुंचकर जनता की समस्याओं का समाधान कर रही है उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लगभग 3000 प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए हैं तथा 13 नई सड़कों की मंजूरी दी गई है मंत्री ने ग्रामीणों से बैंक खातों की ई-केवाईसी कराने की अपील भी की जनप्रतिनिधियों ने सुशासन तिहार 2026 को शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु बताते हुए ग्रामीणों से योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने की अपील की।

इंस्टाग्राम दोस्ती फिर लव मैरिज, अब एसपी ऑफिस पहुंची युवती परिजन पति और सहेली को कर रहे परेशान

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले की पिछोर तहसील निवासी दीक्षा जाटव बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से अपने पति रविन्द्र जाटव और सहेली पूजा को अनावश्यक रूप से परेशान न करने की मांग की दीक्षा ने बताया कि उनकी पहचान रविन्द्र जाटव से इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। यह दोस्ती धीरे-धीरे बातचीत में बदली और बाद में दोनों ने अपनी मर्जी से विवाह करने का फैसला किया परिजनों ने किया था विरो दीक्षा जाटव (पुत्री कैलाश जाटव, निवासी ग्राम नॉद, थाना पिछोर) ने एसपी को दिए आवेदन में कहा कि उन्होंने अपने परिवार को रविन्द्र जाटव (ग्राम घटवरा निवासी) से शादी करने की इच्छा बताई थी। परिजनों ने इसका विरोध किया और उन्हें डराने-धमकाने लगे। इसके बाद दीक्षा घर छोड़कर रविन्द्र के साथ चली गईं और 4 मई 2026 को ग्वालियर में कोर्ट मैरिज कर ली दीक्षा का आरोप है कि उनके परिजन अशोक जाटव कैलाश जाटव, रामकुमार जाटव और श्रीराम जाटव लगातार उनके पति के परिवार और रिश्तेदारों को परेशान कर रहे हैं।वे बार-बार ग्राम घटवरा पहुंचकर दबाव बना रहे हैं।

ऑपरेशन मुस्कान बना बिछड़े बच्चों के लिए उम्मीद की किरण

मध्यप्रदेश पुलिस ने एक सप्ताह में 5 नाबालिग बालिकाओं को सकुशल परिवारों से मिलाया

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा महिला एवं बाल सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संचालित ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा और अपहृत नाबालिग बच्चों की खोज एवं सुरक्षित दस्तयाबी की कार्रवाई लगातार जारी है विगत एक सप्ताह में पुलिस टीम ने दिल्ली गुजरात बिहार और उत्तरप्रदेश से 5 नाबालिग बालिकाओं को सकुशल खोजकर उनके परिजनों को सौंपा उज्जैन जिले के उन्हेल थाना पुलिस ने 16 वर्षीय बालिका को महज 24 घंटे के भीतर गुजरात के राजकोट से सुरक्षित दस्तयाब किया। कटनी जिले की बरही थाना पुलिस ने अपहृत बालिका को दिल्ली से सुरक्षित लाकर परिजनों को सौंपा जबकि थाना स्लीमनाबाद पुलिस ने बिहार के पटना से एक अन्य गुमशुदा बालिका को खोजा मुरैना जिले की कोतवाली थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज होने के 16 दिन के भीतर उत्तरप्रदेश के हापुड़ से 16 वर्षीय बालिका को सुरक्षित परिजनों को सौंपा। गुना जिले की कोतवाली पुलिस ने भी सक्रियता दिखाते हुए लापता किशोरी को दिल्ली से दस्तयाब कर परिवार से मिलाया मध्यप्रदेश पुलिस ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान केवल अभियान नहीं बल्कि बच्चों की सुरक्षा और परिवारों की भावनाओं से जुड़ा मानवीय प्रयास है तकनीकी संसाधनों साइबर ट्रैकिंग स्थानीय पुलिस समन्वय और मैदानी कार्रवाई के माध्यम से बच्चों की तलाश प्रभावी ढंग से की जा रही है पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी बालक या बालिका के गुम होने पर तुरंत नजदीकी थाना या डायल-112 पर सूचना दें ताकि त्वरित कार्रवाई कर बच्चों को सुरक्षित खोजा जा सके। अभियान लगातार जारी रहेगा।

शिवपुरी में ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में केमिस्टों की हड़ताल, शहर के अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। बुधवार को ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (AIOCD) के आह्वान पर जिलेभर में केमिस्टों और ड्रगिस्ट्स की हड़ताल का व्यापक असर देखने को मिला। जिले के लगभग 350 मेडिकल स्टोर पूरे दिन बंद रहे जिनमें शहर के करीब 150 प्रतिष्ठान शामिल थे इस दौरान केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन ने विरोध जताते हुए कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में अवैध और अनियंत्रित ऑनलाइन दवा बिक्री तथा बिना वैध चिकित्सकीय पर्चे के दवाओं की होम डिलीवरी को गंभीर मुद्दा बताया। केमिस्टों का कहना है कि ऑनलाइन

प्लेटफॉर्म्स द्वारा दी जा रही भारी छूट छोटे मेडिकल व्यापारियों के लिए बड़ा संकट बन गई है। उन्होंने सरकार से नियम GSR 817(E) और त्स्क्र220(E) को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. चन्द्र प्रकाश गोयल और सचिव गोपाल दास अग्रवाल ने बताया कि दवाएं कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं हैं इनकी अनियंत्रित ऑनलाइन बिक्री मरीजों की सुरक्षा और जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है उन्होंने कहा उन्होंने यह भी बताया कि कोविड महामारी के दौरान केमिस्टों ने फ्रंटलाइन हेल्थ सपोर्ट के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं, लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद सरकार की तरफ से इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई जिलेभर में मेडिकल स्टोर बंद रहने के बावजूद किसी मरीज या परिजन को दवा की कमी या परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। हड़ताल के दौरान एसोसिएशन ने जरूरतमंद मरीजों के लिए आवश्यक और आपातकालीन दवाओं की पूर्व व्यवस्था कर दी थी इसके अतिरिक्त मरीजों की सुविधा के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र और अस्पताल परिसरों में संचालित मेडिकल स्टोर सामान्य रूप से खुले रहे एसोसिएशन का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री के कारण स्थानीय व्यवसायिक दुकानदारों की आय पर प्रतिकूल असर पड़ा है और इससे छोटे व्यापारियों का अस्तित्व संकट में है हड़ताल के माध्यम से केमिस्टों ने सरकार और जनता दोनों को इस मुद्दे की गंभीरता से अवगत कराने का प्रयास किया।

नर्मदापुरम में शराब दुकानों को निशाना बना रहे चोर :4 कर्मचारी सोते रह गए, 39 हजार कैश, दो मोबाइल और बियर की बोतलें ले उड़े

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में शराब की दुकानें इन दिनों चोरों के निशाने पर हैं। सोहागपुर के बाद अब देहात थाना क्षेत्र के सांवलखेड़ा स्थित एक शराब दुकान में चोरी की वारदात सामने आई है।

चोर दुकान के पीछे का टीन उखाड़कर अंदर घुसे और नगदी समेत अन्य सामान पार कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि घटना के वक्त दुकान के अंदर चार कर्मचारी सो रहे थे, लेकिन उन्हें अंदर घुसने या किसी भी तरह की चहल-पहल की भनक तक नहीं लगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सांवलखेड़ा शराब दुकान के मैनेजर प्रेम कुमार सूर्यवंशी ने पुलिस को बताया कि रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे वह अपने साथी ओमप्रकाश चंद्रवंशी, भीम कुमार यादव और प्रद्युम्न जायसवाल के साथ हिसाब-किताब कर सो गए थे। रात करीब 4:30 बजे भीम कुमार यादव की नींद खुली तो उसने देखा कि उसके तकिए के पास रखा मोबाइल गायब है। उसने तुरंत अन्य साथियों को जगाया। जब उन्होंने तलाश की, तो प्रद्युम्न जायसवाल का मोबाइल भी गायब मिला।

नहर के पास मिले कर्मचारियों के बैग: दुकान में और छानबीन करने पर पता चला कि शराब की पेटियों पर रखे चारों कर्मचारियों के नीले-काले रंग के बैग भी वहां नहीं थे। जब उन्होंने दुकान के बाहर सामान ढूंढना शुरू किया, तो पीछे नहर के पास जमीन पर चारों बैग पड़े मिले। बैग का सामान बिखरा हुआ था और उनमें गल्ले से निकालकर रखे गए 39 हजार रुपए गायब थे। जांच करने पर पता चला कि दुकान के पिछले हिस्से में शेड में लगे लोहे के टीन के नट खुले हुए थे। चोर इसी रास्ते से अंदर दाखिल हुए थे।सोहागपुर में शराब दुकान में टीन उखाड़कर इस तरह घुसे चोर। सोहागपुर में शराब दुकान में टीन उखाड़कर इस तरह घुसे चोर।

चोरी गए सामान का विवरण: नगदीः 39,000 रुपए, मोबाइल फोनः 2, शराबः 5 बियर की बोतलें, पुलिस ने दर्ज की FIR, सीसीटीवी खंगाल रही टीम देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया कि मैनेजर की शिकायत पर शाम 7:30 बजे अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। इसके अलावा दुकान के कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। थाना प्रभारी का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ कर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

सोहागपुर में भी हुई थी ऐसी ही वारदात: गौरतलब है कि महज दो दिन पहले सोहागपुर में भी वाटिका होटल के पास स्थित एक शराब दुकान में बिल्कुल इसी तरह चोरी हुई थी। वहां भी चोर दुकान का टीन उखाड़कर अंदर घुसे थे और गल्ले से 25 हजार रुपए नगद के साथ कुछ शराब की बोतलें चुरा ले गए थे। एक ही तरीके से हुई इन दोनों वारदातों के बाद पुलिस सक्रिय हो गई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 : आंगनवाड़ी और स्कूलों के समन्वय से सुदृढ़ होगी प्रारंभिक शिक्षा की नींव

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। छोटे बच्चों की पढ़ाई की शुरुआत अक्सर एक अनजान जगह से होती है, जहां उनको नया माहौल मिलता है। इस माहौल के डर और झिझक को खत्म करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार ने आंगनवाड़ी और प्राथमिक विद्यालय को अब एक ही परिसर में लाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और 'मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0' के विज़न को धरातल पर उतारने के लिए केन्द्र सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बड़ा और दूरदर्शी कदम उठाया है। अब आंगनवाड़ी केंद्रों और प्राथमिक विद्यालयों का को-लोकेट किया जा रहा है। इस व्यावहारिक रणनीति का उद्देश्य बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा, पोषण और देखभाल की एक ऐसी मजबूत नींव रखना है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल दो संस्थानों को एक परिसर में लाने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह महिला एवं बाल विकास और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, प्रेरक और उत्कृष्ट शैक्षणिक माहौल तैयार करने का महाअभियान है।

क्या बदलेगा इस व्यवस्था से: यह को-लोकेशन मॉडल मुख्य रूप से उन आंगनवाड़ी केंद्रों पर लागू किया जा रहा है जो प्राथमिक विद्यालयों के समीप स्थित हैं और जहाँ बच्चों के लिए सुरक्षित पहुँच उपलब्ध है। इसमें अस्थायी या सीमित संसाधनों वाले परिसरों में चल रहे आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिक विद्यालयों में स्थानांतरित कर अधिक सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे विद्यालय जहाँ अतिरिक्त कक्ष उपलब्ध हैं, वहाँ आंगनवाड़ी केंद्रों को को-लोकेट किया जा रहा है जिससे शासकीय परिसंपत्तियों और संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग हो सके। भौगोलिक कारणों से जिन क्षेत्रों में भौतिक रूप से को- लोकेशन संभव नहीं है, वहाँ समीपस्थ प्राथमिक विद्यालयों के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों की डिजिटल मैपिंग की जा रही है जिससे दोनों संस्थानों के बीच समन्वय और संसाधनों का साझा उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

रतलाम में शराब से भरी राजस्थान पासिंग कंटेनर जब्त: चंडीगढ़ से महाराष्ट्र जा रहा था माल

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम थाना औद्योगिक पुलिस ने सोमवार रात महू नीमच फोरलेन सेजावता फंटे के पास राजस्थान पासिंग अवैध शराब से भरे कंटेनर को पकड़ा है। कंटेनर चालक बैटरी की बिल्टी पर अवैध रूप से बीयर की करीब 400 से अधिक पेटी चंडीगढ़ से महाराष्ट्र लेकर जा रहा था। पुलिस कंटेनर को जब्त कर रात 12 बजे थाने लाई। थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी। टीम बनाकर सेजावता फंटे के पास घेराबंदी की। राजस्थान पासिंग कंटेनर क्रमांक आरजे 14 जीएल 7177 को रोका। कंटेनर में ड्राइवर अकेला था। रोकने पर उससे कंटेनर में रखे सामान के बारे में पूछताछ की। ड्राइवर ने कंटेनर में बैटरी होने की बात कही।

बैटरी की बिल्ट्री दिखाई। पुलिस ने कंटनेर के गेट को खोलने को कहा। ड्राइवर ने गेट पर सील लगी होने से खोलने से मना कर दिया। पुलिस को ड्राइवर की बातों पर शक हुआ। पुलिस ने सख्ती दिखाई। ड्राइवर ने गेट खोलने के लिए 27 नंबर औजार (पाना) नहीं होने की बात कही।

ट्रकों को रोका और लिया औजार: पुलिस ने फोरलेन पर अन्य ट्रकों को रोका। ड्राइवरों से 27 नंबर औजार के बारे में पूछा। एक ट्रक चालक के पास मिलने पर कंटेनर का पुलिस ने गेट खोला। गेट खोलते ही पुलिस को कंटेनर बीयर की पेटियों से भरा मिला। तब रात में पुलिस कंटेनर को जब्त कर ड्राइवर को पकड़ कर थाने लाई।

रात 2 बजे तक उतराने का क्रम चलता रहा: रात 12 बजे से कंटेनर से बीयर की केन से भरी पेटियां उतार कर थाने में जमाने का सिलसिला शुरू हुआ। जो रात 2 बजे तक चल रहा था। कंटेनर में बीयर की पेटियों को तीन-तीन लेयर में एक के ऊपर एक रख जमा रखी थी। इस कारण नीचे रखी कई पेटियों में बियर की केन फूट गई थी। थाना परिसर शराब से महकना लगा था। सभी पेटियों को थाना परिसर में रात मे जमाया गया। कंटेनर में तीन अलग-अलग ब्रांड की बीयर थी। जिनमें टुर्बोंग, किंगफिशर व थंडरबाल शामिल थी।

चंडीगढ़ हाइवे के पास से ड्राइवर लेकर आ रहा था: कंटेनर ड्राइवर भोमाराम जाट निवासी माडपुरा जिला बाडमेर (राजस्थान) का रहने वाला है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है ड्राइवर भोमाराम को चंडीगढ़ हाइवे के पास किसी अन्य ड्राइवर ने आकर कंटेनर महाराष्ट्र के धुले ले जाने के लिए दिया। धुले तक जाकर कंटेनर अन्य किसी ड्राइवर को देना था। इससे पुलिस को आशंका है कि शराब तस्करी में बड़ा कोई गिरोह शामिल है। हालांकि देर रात तक ड्राइवर से पुलिस की पूछताछ जारी थी। शराब कंटेनर कहां से भरा गया और किसी आखरी में देना था, इस बारे में देर रात तक पता नहीं चल पाया था।

कंटेनर पर बेटी बचाओ-बेटी पढाओं का संदेश: कंटेनर राजस्थान पासिंग होने के साथ ही उस पर हरियाणा राजस्थान टोल फ्री नंबर महिला हेल्प लाइन नंबर 1090 लिखा था। इसके अलावा बेटी बचाओं, बेटी पढाओं का संदेश भी लिखा था। देर रात तक पुलिस की पूछताछ ड्राइवर से जारी थी। इसके साथ ही बीयर से भरी पेटियों को उतारकर जमाने का क्रम जारी था। मंगलवाल सुबर तक कुल शराब व कीमत का पता चलेगा।

ज्वाइन करते बड़ी कार्रवाई: थाना औद्योगिक क्षेत्र प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी का पिछले सप्ताह ट्रांसफर हो गया था। दो दिन पहले एसपी ने 6 थाना प्रभारियों को थाने बदले थे। औद्योगिक थाने की कमान गायत्री सोनी को दी गई थी। सोमवार शाम को उन्होंने ज्वाइन किया और रात में ही अवैध शराब से भरे कंटेनर को पकड़ लिया। थाना प्रभारी गायत्री सोनी ने बताया कि कंटेनर ड्राइवर बैटरी की बिल्टी पर अवैध रूप से चंडीगढ़ से शराब लेकर महाराष्ट्र के धुले जा रहा था। जिसके कोई डॉक्युमेंट नहीं मिले है। ड्राइवर से पूछताछ जारी है। पेटियों की गिनती के बाद पता चलेगा कि कितनी शराब है और क्या कीमत होगी।

खंडवा में ट्रैक्टर-बाइक की भिड़ंत:आमने-सामने की टक्कर में 19 वर्षीय युवक की मौत, ट्रैक्टर पलटा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले में सोमवार रात सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हरसूद थाना क्षेत्र के झुम्मरखाली गांव के पास तेज रफ्तार बाइक और ट्रैक्टर के बीच आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीन युवक सड़क पर दूर जा गिरे और ट्रैक्टर भी पलट गया। इस हादसे में दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका हरसूद अस्पताल में इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात करीब 7 से 8 बजे के बीच तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान खंडवा-हरदा रोड स्थित मंगल वेयरहाउस के नजदीक सामने से आ रहे ट्रैक्टर से उनकी बाइक टकरा गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण व राहगीर जमा हो गए।

एंबुलेंस से घायलों को पहुंचाया अस्पताल: स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से तीनों को हरसूद अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मनोज उर्फ बबलू (19) पिता राजू मीणा को मृत घोषित कर दिया।

मृतक बोरीसराय गांव का रहने वाला था। वहीं, हादसे में हरदा निवासी तरुण (पिता रामविलास मीणा) और बोरीसराय निवासी मुकेश (पिता लक्ष्मीनारायण मीणा) गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

ट्रैक्टर चालक भी मृतक के गांव का निवासी: हरसूद थाना प्रभारी (टीआई) राजकुमार राठौर ने बताया, 'प्राथमिक जानकारी में सामने आया है कि ट्रैक्टर का चालक भी बोरीसराय गांव का ही निवासी है। हादसे की मुख्य वजह तेज रफ्तार और लापरवाही मानी जा रही है।' पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंपने की कार्रवाई की जा रही है। हादसे के बाद से मृतक के परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के अंतर्गत वितरित की गई पोषण टोकरियां

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। महिला बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक कदम सुपोषण की ओर अभियान के अंतर्गत सीहोर जिला अस्पताल में पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सीडीपीओ शहरी बीएल मालवीय ने बताया कि कार्यक्रम में कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार और पोषण स्तर बेहतर करने के लिए पोषण टोकरियां वितरित की गई। इस दौरान बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इस अवसर सीडीपीओ ग्रामीण प्रियंका दीवान सहित विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश हैहैवंशीय ताम्रकार (कसेरा) समाज के प्रदेश अध्यक्ष बने धर्मेंद्र पैगवार

भोपाल में प्रादेशिक चुनाव संपन्न, विजयी पदाधिकारियों की घोषणा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश ताम्रकार (कसेरा) समाज संगठन के प्रादेशिक चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। चुनाव के बाद विभिन्न पदों के लिए विजयी प्रत्याशियों की घोषणा की गई। अध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र पैगवार ने 224 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। वहीं उपाध्यक्ष पद पर डॉ. अतुल सेठा, सचिव पद पर प्रदीप ताम्रकार, कोषाध्यक्ष पद पर हरिओम ताम्रकार तथा सहसचिव पद पर प्रतिभा पंडा निर्विरोध निर्वाचित हुई। सदस्य पद के लिए हुए चुनाव में रश्मि ताम्रकार ने 276 मत प्राप्त कर सर्वाधिक मत हासिल किए। इसके अलावा अतुल ताम्रकार को 265 मत, पुष्पेंद्र ताम्रकार को 264 मत, श्रेयश ताम्रकार को 253 मत, विशाल शिवपुरिया को 244 मत तथा प्रह्लाद ताम्रकार को 233 मत प्राप्त हुए और वे विजयी घोषित किए गए। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र पैगवार ने इस जीत पर समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें समाज के वरिष्ठजनों और पदाधिकारियों के मार्गदर्शन व सहयोग से यह जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। उन्होंने सतना के महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनारायण ताम्रकार (एडवोकेट), बाबूलाल ताम्रकार, पुष्पेंद्र ताम्रकार तथा एडवोकेट अनिल ताम्रकार का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

समाजजनों ने सभी निर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई देते हुए संगठन की प्रगति तथा समाजहित में बेहतर कार्यों की अपेक्षा जताई।

बिजली कंपनी द्वारा शिविर लगाकर किया गया बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ताओं की बिजली संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। महाप्रबंधक श्रीमती पूनम तुमराम ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद कर उन्हें त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराना और उनकी शिकायतों का त्वरित निराकरण करना है। विद्युत वितरण केन्द्रवार बनाए गये कलस्टरों पर शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविरों में बिजली उपभोक्ताओं की बिल, मीटर, सर्विस केबल, कनेक्शन एवं तकनीकी सेवाओं संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 19 मई को वितरण केन्द्र खाचरोद अंतर्गत ग्राम रिछाड़िया, वितरण केन्द्र सिद्दीकगंज अंतर्गत ग्राम नीलबढ़, वितरण केन्द्र बागेर अंतर्गत ग्राम मुबारकपुर में शिविर लगाए जाएंगे।

इसी प्रकार 20 मई को वितरण केन्द्र मैना अंतर्गत ग्राम हुसैनपुरखेड़ी, वितरण केन्द्र हकीमाबाद अंतर्गत ग्राम चिन्नौटा, वितरण केन्द्र आष्टा शहर अंतर्गत वार्ड नं. 05, वितरण केन्द्र जावर अंतर्गत ग्राम हाजीपुर, वितरण केन्द्र सिद्दीकगंज अंतर्गत ग्राम खजूरियाकासम, वितरण केन्द्र मेहतवाड़ा अंतर्गत ग्राम ग्वाली, वितरण केन्द्र कोठरी अंतर्गत ग्राम बोरखेड़ी में शिविर लगाए गए और नागरिकों की बिजली संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया।

सागर में पारा 44 डिग्री पार, लू का अलर्ट जारी:दोपहर में झुलसाने वाली धूप से बाजार में सन्नाटा, अगले 4 दिन भीषण गर्मी पड़ने की संभावना

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में इस समय गर्मी के इस सीजन की सबसे भीषण गर्मी पड़ रही है। मई में पहली बार लू और झुलसाने वाली गर्मी से लोग हलाकान है। दिन का पारा उछलकर 44.7 डिग्री पर पहुंच गया है। जबकि न्यूनतम पारा 29 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। लगातार बढ़ते पारे से लोग दिन के साथ रात में भी गर्मी से परेशान हैं।

सुबह 8.30 बजे से ही सूरज की किरणों में चुभन महसूस हो रही है। दिन चढ़ने के साथ ही तल्ख धूप से लोग झुलस रहे हैं। दोपहर के समय बाजार की सड़कों पर सन्नाटा पसर रहा है। सोमवार को सागर में मई माह में पहली बार अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच गया है। लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू से बचाओ के लिए एडवाइजरी जारी की है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सो में तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। दोपहर 12 से 3 बजे तक गर्मी और लू का असर सबसे ज्यादा रहेगा। इस दौरान लोग अति जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले।

लू से बचाओ के लिए एडवाइजरी जारी की: भीषण गर्मी को देखते हुए सागर में स्वास्थ्य विभाग ने लू और गर्मी से बचाओ के लिए एडवाइजरी जारी की है। लू के लक्षण हो तो व्यक्ति को छायादार जगह पर लिटाएं, व्यक्ति के कपड़े ढ़ीले करें, उसे पेय पदार्थ कच्चे आम का पना आदि पिलाएं, तापमान घटाने के लिए ठंडे पानी की पट्टियां रखें, प्रभावित व्यक्ति को तत्काल स्वास्थ्य केंद्र लें जाकर चिकित्सकीय परामर्श लें। सिरदर्द, बुखार, उल्टी, अत्याधिक पसीना और बेहोशी आना, कमजोरी महसूस होना, शरीर में ऐंठन, नब्ज असामान्य होना लू के लक्षण हैं।

पर्याप्त पानी पिएं और सूती कपड़े पहनें

गर्मी के मौसम में पर्याप्त पानी पिये भले ही आपको प्यास नहीं लगी हो। यात्रा करते समय पीने का पानी साथ रखें। पानी, छाछ, ओआरएस का घोल या घर में बने पेय पदार्थ लस्सी, नीबू पानी, आम का पना आदि का सेवन करें। सूती, डीले व आरामदायक कपड़े पहनें, धूप में निकलते समय अपना सिर ढंककर रखें, टोपी, कपड़ा, छतरी का उपयोग करें। उच्च जल सामग्री वाले मौसमी फल और सब्जियां खाएं। भरपेट ताजा भोजन करके ही घर से निकलें। धूप में अधिक नहीं निकलें।

गर्मी में इन बातों का ध्यान रखें

धूप में खाली पेट नहीं निकलें, पानी हमेशा साथ में रखें, शरीर में पानी की कमी नहीं होने दें। मिर्च मसाले युक्त और वासा या रात का बचा हुआ भोजन न करें। बुखार आने पर ठंडे पानी की पट्टियां रखें, कूलर या एयर कंडीशन से धूप में एकदम से नहीं निकलें। दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक धूप में बाहर निकले से बचें। नंगे पैर बाहर नहीं जाएं। भीड़-भाड़ वाली जगह पर लू का खतरा बढ़ जाता है। भले ही लू की कोई अधिकारिक चेतावनी नहीं हो। बच्चे और बुजुर्गो का विशेष ध्यान रखें।

रायसेन में अवैध खनिज परिवहन पर कार्रवाई :माइनिंग विभाग ने 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली और 2 डंपर जब्त किए, देवरी, उदयपुरा और बाड़ी में कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में माइनिंग विभाग ने मंगलवार को अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने देवरी, उदयपुरा और बाड़ी क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रूप से रेत और गिट्टी का परिवहन कर रहे चार वाहनों को जब्त किया। यह कार्रवाई माइनिंग अधिकारी महेंद्र पटेल और इंस्पेक्टर अर्चना ताम्रकार के नेतृत्व में की गई। जांच के दौरान रेत खनिज का अवैध परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए दो डंपर पकड़े गए। माइनिंग विभाग की टीम ने जब्त किए गए सभी वाहनों पर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के मुताबिक जिले में अवैध खनन और खनिज परिवहन के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

आखिर यों जडेजा को टेस्ट टीम में नहीं मिला मौका? चीफ सेलेटर आगरकर ने बताई जगह

गुवाहाटी, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसआई) ने मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को टेस्ट टीम के लिए नहीं चुना गया है। चीफ सेलेक्टर अजीत आगरकर ने इसके पीछे की वजह बताई है। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच न्यू चंडीगढ़ में 6 जून से खेला जाएगा। इसके बाद 14-20 जून के बीच तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज का आयोजन धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में होगा। भारतीय टीम की घोषणा करते हुए एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर ने कहा, रवींद्र जडेजा टीम का एक अहम हिस्सा हैं। उन्हें इस टेस्ट मैच के लिए आराम दिया गया है। हम दूसरे खिलाड़ियों को मौके देने की कोशिश कर रहे हैं। हमने उन्हें सिर्फ इसी टेस्ट मैच के लिए टीम में नहीं चुना है।

बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार, बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्ष दुबे और लंबे कद के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में पहली बार शामिल किया गया है।

चीफ सेलेक्टर अजीत आगरकर और बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित की। इस टीम में शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है, जबकि ऋषभ पंत की जगह केएल राहुल को उप-कप्तान नियुक्त किया गया। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद बरार, सुथार और दुबे भारत ए टीम के नियमित सदस्य रहे हैं।

शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के अलावा, बल्लेबाजी समूह में यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल शामिल हैं। इस मैच के लिए रवींद्र जडेजा को आराम दिया गया है, इसलिए स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी कुलदीप यादव और वॉशिंगटन सुंदर संभालेंगे।

सुथार और दुबे को टीम में शामिल करने से चयन समिति का यह इरादा झलकता है कि वे रेड-बॉल क्रिकेट में भारत के स्पिन गेंदबाजी संसाधनों का विस्तार करना चाहते हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में, मोहम्मद सिराज आक्रमण की अगुवाई करेंगे। जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ यह मैच भारत का पहला टेस्ट मैच है, जो पिछले साल अपने घर में दक्षिण अफ्रीका से 2-0 से मिली हार के बाद खेला जा रहा है। हालांकि यह टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा नहीं है, फिर भी भारत के रेड-बॉल क्रिकेट के लिए इसका काफी महत्व है, क्योंकि इसके बाद उन्हें श्रीलंका और न्यूजीलैंड के दो-दो मुकाबलों के दौरे पर जाना है।

भारत और अफगानिस्तान ने इससे पहले आपस में सिर्फ एक टेस्ट मैच खेला है। साल 2018 में बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया यह मैच सिर्फ दो दिनों में ही खत्म हो गया था, जिसमें भारत ने एक पारी और 262 रनों से जीत हासिल की थी।

भारत की वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा (फिटनेस के आधार पर), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (फिटनेस के आधार पर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

भारत की टेस्ट टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, हर्ष दुबे और गुरनूर बरार।

सीनियर क्रिकेटरों से बात कर मुझे आत्मविश्वास मिलता है : वैभव सूर्यवंशी

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल 2026 में मंगलवार को जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम 15 साल के विस्फोटक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तूफानी पारी का गवाह बना। राजस्थान रॉयल्स के इस तूफानी बल्लेबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हुए मैच में 38 गेंदों पर 93 रनों की तूफानी पारी खेल अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिलायी। वैभव को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के बाद आईपीएल द्वारा एक्स पर जारी एक वीडियो में सूर्यवंशी ने कहा, अच्छा लग रहा है। यह गर्व का पल है। अच्छा लगता है जब इतने सारे सीनियर, क्रिकेटर, एक्स-क्रिकेटर और हमारे कोच मुझसे बात करते हैं। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है, और खेल में मदद मिलती है। वैभव ने कहा, वह अपनी रिदम बनाए रखने और आने वाले मैचों में सकारात्मक तरीके से खेलने पर फोकस कर रहे हैं।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, मेरा फ्लो चल रहा है। यह अगले मैच में भी चलेगा। मैं टीम में जितना ज्यादा योगदान दूंगा, उतनी ही मदद मिलेगी।

वैभव ने कहा, हम सभी वही करना चाहते थे जो हम कर रहे हैं। हम एन्जॉय करना चाहते थे और दबाव नहीं डालना चाहते थे। हमारा लक्ष्य अच्छा खेलना और अपनी ताकत पर ध्यान देना है। अगले मैच में यही फोकस है। हमारा क्वालिफिकेशन पर कोई फोकस नहीं है। यह सबके दिमाग में है कि क्या कोई चांस है। लेकिन हम दिन-ब-दिन बेहतर करने की कोशिश कर रहे हैं। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक और निडर बल्लेबाजी से पूरी दुनिया को हैरान कर दिया है। आईपीएल 2026 में वह ऑरेंज कैप होल्डर हैं। सूर्यवंशी 13 मैचों में 579 रन बना चुके हैं। इस दौरान 1 शतक और 3 अर्धशतक उन्होंने लगाए हैं। सूर्यवंशी ने सीजन में 53 छक्के लगाए हैं। आईपीएल के एक सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज के लगाए छक्कों का यह रिकॉर्ड है।

आईपीएल 2026 : मुंबई इंडियंस को दोहरा झटका, क्विंटन डी कॉक और राज अंगद बावा बाहर हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस (एमआई) को सीजन के आखिरी 2 मैचों से पहले दो झटके लगे हैं। विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक और ऑलराउंडर राज अंगद बावा चोट की वजह से दोनों मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। डी कॉक बाई कलाई में टेंडन की चोट से जूझ रहे हैं। वहीं, बावा अपनी दाई हाथ के अंगूठे में लिगामेंट फटने के कारण बाहर हो गए हैं। बावा को चोट पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ लगी थी। दोनों खिलाड़ी मुंबई इंडियंस की मेडिकल टीम की देखरेख में अपने-अपने घर पर पुनर्वास करेंगे। एमआई जल्द ही दोनों खिलाड़ियों के रिप्लेसमेंट का ऐलान कर सकती है। मुंबई इंडियंस की तरफ से जारी बयान में कहा गया है, क्विंटन डी कॉक अपनी बाई कलाई में टेंडन की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। यह चोट उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ घरेलू मैच से पहले लगी थी। राज अंगद बावा के दाएं अंगूठे का लिगामेंट पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच के दौरान फट गया था। इस वजह से दोनों सीजन के बाकी मैच नहीं खेल पाएंगे।

आईपीएल 2026

किस्मत खराब रही

रन आउट होकर शतक का मौका चूकने पर बोले मिशेल मार्श

जयपुर, एजेंसी। आईपीएल 2026 में सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में मिशेल मार्श ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए फैंस को रोमांचित कर दिया। हालांकि मार्श के लिए दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि लगातार दूसरे मैच में वह शतक पूरा करने का मौका चूक गए।

एलएसजी की बल्लेबाजी के बाद पारी की चुनौतियों पर मार्श ने कहा, मुझे लगा कि उन्होंने आखिर में अच्छी गेंदबाजी की। हम शायद एक, दो या तीन और बाउंड्री नहीं लगा पाए। अगर ऐसा होता तो हम सचमुच बहुत खुश होते, लेकिन इसका श्रेय उन्हें जाता है, उन्होंने अच्छी वापसी की और सचमुच बहुत अच्छी गेंदबाजी की। जोश इंग्लिस के साथ अपनी साझेदारी पर मार्श ने कहा, हमने पिछले पांच सालों में खेल को बदलते देखा है। पांच साल पहले, 220 रन बनाकर आप काफी आत्मविश्वास के साथ मैदान से बाहर निकलते थे। फिलहाल ऐसा संभव नहीं है। हमें अच्छी गेंदबाजी करनी होगी और अपनी योजनाओं को बहुत अच्छे से लागू करना होगा। जहां तक जॉशी के साथ मेरी साझेदारी की बात है, हम साथ में बहुत क्रिकेट खेलते हैं। उनके खेलने का अंदाज मुझ पर से काफी दबाव हटा देता है। हमारी आपस में अच्छी बनती है।

लगातार दूसरे मैच में रन आउट की वजह से अपना शतक गंवाने पर मार्श ने कहा कि किस्मत खराब रही। शायद ऐसा होना भी तय ही था।

मार्श ने जोश इंग्लिस के साथ पहले विकेट के लिए 8.2 ओवर में 109 रन की साझेदारी की। इंग्लिस 29 गेंदों पर 3 छक्के और 7 चौकों की मदद से 60 रन की पारी खेलकर आउट हुए। मार्श ने 57 गेंदों पर 5 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 96 रन की पारी खेली। मार्श को यशस्वी जायसवाल ने रन आउट किया। पंत ने 23 गेंदों पर 35 रन बनाए। एलएसजी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आरआर को 221 रन का लक्ष्य दिया।

भारत-अफगानिस्तान वनडे सीरीज: प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़ हर्ष दुबे को पहला मौका, लिस्ट ए क्रिकेट में ऐसा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। बीसीसीआई ने मंगलवार को टीम की घोषणा की। वनडे टीम में आईपीएल 2026 में अलग-अलग टीमों के लिए खेल रहे तीन खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। ये तीन खिलाड़ी हैं- प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे। आइए देखते हैं कि इन तीनों खिलाड़ियों का लिस्ट ए क्रिकेट में कैसा रिकॉर्ड रहा है। प्रिंस यादव: आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के लिए खेल रहे दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। बड़े-बड़े बल्लेबाज प्रिंस की गेंद के सामने असहज नजर आए हैं। प्रिंस ने मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच से पहले आईपीएल 2026 में 12 मैचों में 16 विकेट लिए हैं। प्रिंस ने कुछ दिन पहले आए एक इंटरव्यू में वनडे विश्व कप 2027 में खेलने की अपनी इच्छा जाहिर की थी। उन्होंने विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए विश्व कप जीतने की बात भी ही थी। प्रिंस के उस सपने की शुरुआत हो रही है। उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम इंडिया में पहली बार शामिल किया गया है। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले प्रिंस यादव ने 14 लिस्ट ए मैचों में 29 विकेट लिए हैं।

गुरनूर बरार: आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का हिस्सा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी वनडे टीम में मौका दिया गया है। बरार को आईपीएल के इस सीजन में 1 ही मैच खेलने का मौका मिला है, जिसमें उन्हें विकेट नहीं मिला। लेकिन पंजाब की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले इस गेंदबाज ने 9 लिस्ट ए मैचों में 12 विकेट लिए हैं।

हर्ष दुबे: हर्ष दुबे तीसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें पहली बार वनडे टीम में मौका दिया गया है। हर्ष गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खेल रहे इस बाएं हाथ के गेंदबाज और बल्लेबाज ने 8 मैचों में 8 विकेट लिए हैं। हर्ष विदर्भ के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। 30 लिस्ट ए मैचों में 31 विकेट लेने वाले इस खिलाड़ी ने 17 पारियों में 2 अर्धशतक लगाते हुए 296 रन भी बनाए हैं। 23 साल के हर्ष गेंदबाजी के साथ ही निचले क्रम में बल्लेबाजी के लिए भी बेहतर विकल्प हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच 3 वनडे मैचों की सीरीज 14, 17 और 20 जून को खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा (फिटनेस के आधार पर), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (फिटनेस के आधार पर), नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दूसरे टेस्ट में 78 रन से हराया

2-0 से जीती सीरीज

सिलहट, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के सामने पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए हैं। सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को बांग्लादेश ने 78 रन से हरा दिया है। इस जीत के साथ बांग्लादेश ने सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है। पाकिस्तान को पहली बार बांग्लादेश में न सिर्फ टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी है, बल्कि उसका सूपड़ा साफ हो गया है। बांग्लादेश ने ढाका में खेले गए पहले टेस्ट में 104 रन से जीत हासिल की थी। पाकिस्तान को सिलहट में खेले गए दूसरे टेस्ट को जीतने के लिए पांचवें दिन 121 रन की जरूरत थी।

टीम के पास 3 विकेट शेष थे। पाकिस्तान टीम बुधवार को जब बल्लेबाजी के लिए उतरी तो उसके 316 रन पर 7 विकेट थे। अगले 3 विकेट 42 रन जोड़कर गिर गए। पाकिस्तान 358 रन पर ऑलआउट हो गई और मैच 78 रन के अंतर से हार गई। मंगलवार को 75 रन बनाकर नाबाद रहे विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान 94 रन बनाकर नौवें विकेट के रूप में आउट हुए। बांग्लादेश की तरफ से तैजुल इस्लाम ने सर्वाधिक 6 विकेट लिए। पाकिस्तान को चौथी पारी में जीत के लिए 437 रन का लक्ष्य बांग्लादेश ने दिया था। मैच पर नजर डालें तो बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 278 रन बनाए थे। पाकिस्तान पहली पारी में 232 रन पर सिमट गई थी। पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश को 46 रन की बढ़त मिली थी। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 390 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत के लिए 437 रन का लक्ष्य दिया।

अब ओलंपिक खेलों पर है मुक्केबाज निखत जरीन की नजरें

साई और बॉक्सिंग फेडरेशन विवाद से भी खिलाड़ियों की तैयारी प्रभावित हुई

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला मुक्केबाज निखत जरीन की नजरें अब 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों पर लग गयी हैं। निखत को हाल ही में एशियाई और राष्ट्रमण्डल खेलों के ट्रॉयल्स में हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह निराश हैं। निखन ने इसका एक कारण भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और बॉक्सिंग फेडरेशन के प्रशासनिक विवाद को भी बताया और कहा कि इन दोनों संस्थाओं के बीच तनाव का सीधा असर खिलाड़ियों की तैयारी पर पड़ा और मुक्केबाज बीच में फंसकर रह गए हैं। ट्रॉयल मुकाबले में हार के कारणों को लेकर इस मुक्केबाज ने कहा कि वह मानसिक और शारीरिक रूप से पूरी तरह थक चुकी थीं।

भारत बनाम अफगानिस्तान: भारत की वनडे और टेस्ट टीम घोषित

कोहली-रोहित को मौका, नहीं खेलेंगे बुमराह

मुंबई, एजेंसी। भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच और तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। दोनों ही फॉर्मेट में टीम इंडिया की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को वनडे टीम में मौका मिला है, जबकि जसप्रीत बुमराह इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं होंगे। हालांकि, रोहित के अलावा, हार्दिक पांड्या का खेलना फिटनेस के आधार पर तय होगा। केएल राहुल टेस्ट टीम में भारत के उप-कप्तान होंगे। इस टीम में युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी शामिल किया गया है। विकेटकीपिंग का जिम्मा ऋषभ पंत के कंधों पर होगा। साई सुदर्शन, देवदत्त पड्डिकल, वॉशिंगटन सुंदर, नितीश राणा

और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों के साथ एम सुथार, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे को इस टीम में स्थान मिला है। वनडे टीम की बात करें, तो रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या को इस सीरीज में मौका दिया गया है, लेकिन उनका खेलना फिटनेस के आधार पर तय होगा। अनुभवी खिलाड़ी विराट कोहली वनडे सीरीज में नजर आएंगे। ईशान किशन, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, अर्शदीप सिंह, वॉशिंगटन सुंदर को भी इस सीरीज में मौका दिया गया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का फाइनल 31 मई को खेला जाएगा, जिसके बाद 6 जून से भारत और अफगानिस्तान के बीच टूर्नामेंट की शुरुआत होगी। दोनों देश 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेंगे। 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। वनडे सीरीज का पहला मैच 14 जून को धर्मशाला में आयोजित होगा। सीरीज के शेष मैच 17 और 20 जून को क्रमश: लखनऊ और चेन्नई में खेले जाएंगे। टेस्ट मैच भारतीय समय के अनुसार सुबह 9.30 से शुरू होगा, जबकि वनडे मुकाबलों की शुरुआत दोपहर 1.30 से होगी।

भारत और अफगानिस्तान के बीच टेस्ट सीरीज का कार्यक्रम: 6-10 जून: एकमात्र टेस्ट मैच (महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर, न्यू चंडीगढ़)

14 जून: पहला वनडे मैच (एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला)

17 जून: दूसरा वनडे मैच (भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ)

20 जून: तीसरा वनडे मैच (एमए चिदंबरम स्टेडियम, चेन्नई)

टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उप-कप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), देवदत्त पड्डिकल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे और ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर)।

शव लेकर सड़क पर उतरे परिजन, 'अपराधी' कहने पर युवक को पीटा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में लापता युवक का शव मिलने के बाद बुधवार को शहर में तनाव की स्थिति बन गई। दरअसल लाल उर्फ रितेश चौधरी का शव मंगलवार को बीहर नदी में मिला। परिजनों ने बताया कि उसके साथ तीन दिन पहले मारपीट की गई थी। शव मिलने की खबर फैलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव नदी में फेंकने का आरोप लगाया है।

अस्पताल से शव लेकर सड़क पर पहुंचे परिजनः बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजन और स्थानीय लोग शव लेकर अमहिया मार्ग पहुंच गए। यहां आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम करने की कोशिश की गई। सड़क पर लोगों की भीड़ जुटने से माहौल तनावपूर्ण हो गया और काफी देर तक हंगामा चलता रहा। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निशा मिश्रा और समान थाना प्रभारी विजय सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाइश देकर हालात संभालने की कोशिश की।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

'अपराधी' कहने पर भड़की भीड़

हंगामे के दौरान माहौल उस समय और गर्मा गया, जब मौके पर मौजूद एक स्थानीय युवक ने मृतक को 'अपराधी' कह दिया। युवक की इस टिप्पणी से नाराज भीड़ भड़क उठी और लोगों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए युवक को भीड़ से बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

मारपीट के बाद से लापता था युवक

जानकारी के अनुसार, सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के निपनिया मोहल्ले में दो दिन पहले दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। इसी दौरान अमहिया निवासी लाल उर्फ रितेश चौधरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार को करहिया स्थित बीहर नदी में युवक का शव दिखाई देने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। बाद में शव की पहचान रितेश चौधरी के रूप में हुई।

शरीर पर मिले चोट के निशान

बताया जा रहा है कि मृतक के शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं। इसके बाद परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निशा मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। काफी देर तक चली समझाइश और कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजन शांत हुए। इसके बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट भेजा गया। पूरे घटनाक्रम को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अंतिम संस्कार भी पुलिस निगरानी में कराया गया, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो।

मेडिकल स्टोर बंद, मरीज और परिजन परेशान

दवा लेने भटकते रहे लोग, ऑनलाइन ब्रिक्री के विरोध में देशभर में दुकानें बंद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ऑनलाइन दवा बिक्री और ई-फार्मेसी के विरोध में बुधवार को रीवा शहर सहित जिलेभर के मेडिकल स्टोर बंद रहे। मेडिकल संचालकों की हड़ताल का असर पूरे शहर में देखने को मिला। सुबह से ही मरीज और उनके परिजन दवा लेने के लिए एक दुकान से दूसरी दुकान भटकते नजर आए। शहर के प्रमुख बाजारों, अस्पतालों के आसपास और मोहल्लों में स्थित अधिकांश मेडिकल स्टोरों के शटर बंद रहे, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ऑनलाइन दवा ब्रिक्री का कर रहे विरोधः जानकारी के मुताबिक दवा व्यापारियों के संगठन ने ई-फार्मेसी के खिलाफ विरोध दर्ज कराते हुए बंद का आह्वान किया था। उनका कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से छोटे मेडिकल संचालकों का व्यापार प्रभावित हो रहा है। साथ ही बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों की आसान उपलब्धता लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन सकती है। इसी मांग को लेकर जिले के मेडिकल संचालकों ने एकजुट होकर दुकानें बंद रखीं।

मरीजों और परिजनों को भटकना पड़ाः रीवा शहर के संजय गांधी अस्पताल, श्याम शाह मेडिकल कॉलेज और निजी अस्पतालों के आसपास भी मेडिकल बंद रहने से मरीजों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई। कई लोग जरूरी दवाइयों के लिए घंटों तक इधर-उधर भटकते रहे। कुछ मरीजों ने बताया कि अस्पताल से दवा लिखे जाने के बाद उन्हें खुले मेडिकल की तलाश में कई किलोमीटर तक जाना पड़ा। खासकर बुजुर्ग मरीजों और बच्चों के परिजनों को अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हालांकि कुछ अस्पतालों के अंदर संचालित इमरजेंसी मेडिकल स्टोर खुले रहे, जहां सीमित संख्या में दवाइयां उपलब्ध थीं। इसके चलते वहां भी लोगों की भीड़ लगी रही। कई जगह मरीजों और मेडिकल संचालकों के बीच बहस की स्थिति भी बनी।

संचालक बोले- छोटे दुकानदारों पर खतराः मेडिकल संचालकों का कहना है कि सरकार को ऑनलाइन दवा बिक्री के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए। उनका आरोप है कि कई ई-फार्मेसी कंपनियां नियमों का पालन नहीं कर रही हैं, जिससे स्थानीय व्यापार प्रभावित हो रहा है। वहीं आम लोगों का कहना है कि अचानक मेडिकल बंद होने से सबसे ज्यादा परेशानी मरीजों को उठानी पड़ती है, इसलिए आवश्यक सेवाओं को बंद नहीं किया जाना चाहिए। दिनभर चले इस बंद का असर देर शाम तक देखने को मिला। शहर के अधिकांश मेडिकल स्टोर बंद रहे और लोग जरूरी दवाइयों के लिए परेशान होते रहे।

हाटा ग्राम पंचायत में है पेयजल की व्यवस्था, कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारियों ने किया भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर संजय कुमार जैन के निर्देश पर सहायक यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड मऊगंज द्वारा विकासखण्ड हनुमना की ग्राम पंचायत हाटा के ग्राम हाटा (कोढ़वा टोला) में पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सरपंच ग्राम पंचायत हाटा, नायब तहसीलदार पिपराही, पटवारी, ग्राम रोजगार सहायक, और ग्राम के निवासियों के साथ उनके समक्ष ग्राम हाटा (कोढ़या टोला) का संयुक्त रूप से भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान यह पाया गया कि ग्राम हाटा (कोढ़वा टोला) के वार्ड क्रमांक 11 में लालता कोल के घर के पास स्थापित हैण्डपंप में मोटर पंप लगा है जो चालू पाया गया किन्तु पानी की आवक कम है। इसी बस्ती में दूसरा मीटर दूरी पर रमवारी कोल के घर के समीप स्थापित है उसमें भी मोटर पंप लगा है जो कुछ देर चलने के बाद बंद हो जाता है। तीसरा स्थापित हैण्डपंप लगभग 300 मीटर की दूरी पर अवधलाल यादव के घर पास है उसमें भी मोटर पंप लगा है जो चालू हालत में है जिससे ग्रामवासी पानी प्राप्त कर रहे है। चौथा बोर लगभग 375 मीटर दूरी पर जागेश्वर यादव के घर के पास चालू स्थित में है जिसमें मोटर पंप लगा है। इसी बस्ती से लगभग 350 मीटर दूरी पर हनुमान मंदिर के पास स्थित पांचवा बोर जिसमें मोटर पंप लगा है तथा चालू स्थिति में है जिसमें पानी की आवक पर्याप्त है। इसी से लगभग 90 मीटर की दूरी में छठा बोर स्कूल के पीछे है जिसमें हैण्डपंप लगा है तथा चालू स्थिति में है। इस प्रकार ग्राम हाटा (कोढ़वा टोला) में 500 मीटर की परिधि में 6 हैण्डपंप स्थापित है। पहाड़ी पर बस्ती स्थित है जिसके कारण सभी बोर में जल स्तर समान नहीं है कुछ में कम तथा कुछ में पर्याप्त पानी है।

कार ने 3 महिला धर्मगुरुओं को कुचला, दो की मौत: कुचलने के बाद 270 किलोमीटर भागा आरोपी, बरगी पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बुधवार को दोपहर को कार सवार ने तीन जैन साध्वियों की कुचल दिया। घटना में दो जैन साध्वियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा कलेक्ट्रेट के सामने हुआ, जहां तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे पैदल जा रही तीन महिला धर्मगुरुओं को टक्कर मार दी। जानकारी के मुताबिक, मृत साध्वियों में श्रुति मति माता और उपसमिति माता शामिल हैं। श्रुति मति माता की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि दूसरी गंभीर साध्वी ने संजय गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। तीसरी साध्वी आरिका माता की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है।

सड़क किनारे पैदल जा रही थीं साध्वियां: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों जैन साध्वियां सड़क किनारे पैदल जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर उनकी तरफ आ गई और जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दूसरी साध्वी की भी मौत हो गई।

जैन समाज में शोक और आक्रोशः घटना के बाद पूरे जैन समाज में शोक और गुस्से का माहौल है। बड़ी संख्या में समाज के लोग अस्पताल और जैन धर्मशाला पहुंचे। दोनों साध्वियों के शव अंतिम दर्शन के लिए रखे गए, जिसके बाद अंतिम संस्कार के लिए रवाना किया गया।

आरोपी चालक जबलपुर से गिरफ्तारः हादसे के बाद फरार हुए कार चालक को पुलिस ने जबलपुर के बहोरीपार टोल नाके से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी घटना के बाद करीब 270 किलोमीटर तक भागता रहा। बरगी पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा और रीवा पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई थी। हालात को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। कमिश्नर बीएस जामोद, डिप्टी कमिश्नर नरेंद्र सूर्यवंशी और एसपी गुरुकरण सिंह ने घटनास्थल और अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

सड़क किनारे पैदल जा रही थीं धर्मगुरुः प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तीनों महिला धर्मगुरु सड़क किनारे पैदल जा रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर उनकी तरफ आ गई और तीनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े। स्थानीय लोगों की सहायता से दोनों घायल महिला धर्मगुरुओं को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है।

स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगरीय निकाय तथा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम को अवगत कराने के उद्देश्य से स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत की गई और इसके विभिन्न तकनीकी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 15 मई को किया गया। मतदाता सूची को त्रुटिहीन और अपडेटेड बनाने के लिए नागरिकों से दावे और आपत्तियाँ आमंत्रित की गई हैं। मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने, संशोधन करने अथवा किसी भी प्रकार के दावे-आपत्तियां प्रस्तुत करने के लिए 25 मई तक की अवधि निर्धारित की गई है। इस दौरान संबंधित मतदान केंद्रों और निर्धारित स्थलों पर आवेदन प्राप्त किए जाएंगे। इस अवसर पर राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि को मतदाता सूची का वितरण भी किया गया। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुधीर कुमार बेक, हेमंत त्रिपाठी, सुपरवाइजर सुरेन्द्र मिश्रा सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सहायक चिकित्सक को कारण बताओ नोटिस

मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने सिविल अस्पताल मऊगंज में पदस्थ सहायक चिकित्सक डॉ. अवनीश सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वायरल वीडियो के माध्यम से डॉक्टर अवनीश सिंह द्वारा एक प्राइवेट व्यक्ति के माध्यम से उनके ट्रामा सेंटर में जांच कराने व अपने निजी अस्पताल में मरीजों को प्लास्टर चढ़ाने संबंधी प्रतिवेदन बीएमओ द्वारा दिया गया है। बीएमओ के प्रतिवेदन पर कलेक्टर ने सहायक चिकित्सक से तीन दिवस में अपना जबाव प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।

संस्था प्रबंध समिति गठित

मऊगंज (निप्र)। कौशल विकास के अन्तर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में एकरूपता के दृष्टिगत विकास हेतु बेहतर सामंजस्य एवं संपर्क स्थापित करने के उद्देश्य से कलेक्टर संजय कुमार जैन द्वारा शासकीय आईटीआई नईगढ़ी में संस्था प्रबंध समिति गठित की गयी है। समिति के अध्यक्ष कलेक्टर होंगे जबकि उपाध्यक्ष श्रीलाल जी गुप्ता व सदस्य विभा द्विवेदी, अनिल कुमार पाण्डेय, उमेश त्रिपाठी को बनाया गया है। कलेक्टर की अनुशंसा पर अग्रणी औद्योगिक संघ के प्रतिनिधि विक्रांत द्विवेदी, सांसद द्वारा नामांकित प्रतिनिधि नरेन्द्र तिवारी, विधायक द्वारा नामांकित प्रतिनिधि शिवानंद भुंजवा तथा संचालक प्रशिक्षण प्रतिनिधि आकांक्षा तिवारी को मनोनीत किया गया है। समिति के सदस्य जिला उद्योग अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, लीड डिस्ट्रिक मैनेजर, आईटीआई प्राचार्य द्वारा नामांकित प्रकाश कुमार मिश्र तथा छात्र प्रतिनिधि पुनीत चतुर्वेदी को बनाया गया है। समिति के सचिव प्राचार्य आईटीआई नईगढ़ी होंगे।

नेशनल हॉस्पिटल में मरीज और परिजनों से मारपीट, आग लगने पर जान बचाकर भाग रहे थे; कर्मचारियों ने लाठी-डंडों से पीटा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के नेशनल हॉस्पिटल में मंगलवार शाम आग लगने के बाद मची अफरा-तफरी के बीच अस्पताल कर्मचारियों द्वारा मरीज और उनके परिजनों से जमकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। बुधवार को घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कई कर्मचारी एक साथ मिलकर मरीज को पीटते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना में घायल पीड़ित परिवार ने लहूलुहान हालत में समान थाने पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, अस्पताल में आग लगने के बाद वहां अफरा-तफरी की स्थिति बन गई थी। लोग अस्पताल के संकरे एग्जिट (बाहर निकलने के) द्वार से बाहर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में कबाड़ रखा होने से उन्हें निकलने में दिक्कत हो रही थी। इसी दौरान जब मरीज और परिजनों ने बाहर निकलने का प्रयास किया, तो कर्मचारियों ने उन्हें रोका, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और नौबत मारपीट तक पहुंच गई।

50 हजार जमा कराए, फिर भी लाठी-डंडों से पीटाः मारपीट में घायल पीड़िता सुनीता मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि, आग लगने के बाद हमें अस्पताल से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा था। जब हमने बाहर जाने की कोशिश की, तो अस्पताल के कर्मचारियों ने हमारे परिवार के साथ लाठी-डंडों से जमकर मारपीट की।' पीड़िता ने बताया कि इलाज के नाम पर उनसे 50 हजार रुपए से ज्यादा जमा करवाए गए थे और बदले में मारपीट की गई। उन्होंने स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि महिला होने के बावजूद उनके साथ भी मारपीट की गई है।

पुल-सड़क निर्माण की मांग को लेकर सपा की पदयात्रा पांचवें दिन रीवा पहुंची

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। समाजवादी पार्टी द्वारा विभिन्न जनहितैषी मांगों को लेकर निकाली जा रही पदयात्रा मंगलवार को पांचवें दिन रीवा पहुंची। सपा प्रदेश सचिव जगदीश सिंह यादव के नेतृत्व में निकाली जा रही यह यात्रा कलिया कोट गर्भे पुल-सड़क निर्माण, आदिवासी एवं दलित परिवारों को आवंटित भूमि पर कब्जा दिलाने, वनभूमि में बसे लोगों को पट्टा देने, डभौंरा, चौखंडी एवं कोनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की नियुक्ति तथा डभौंरा में उप तहसील कार्यालय खोले जाने की मांग को लेकर निकाली जा रही है।

45 डिग्री तापमान और भीषण गर्मी के बीच पदयात्रा गर्भे डभौरा से चलकर सिरमौर और बैकुंठपुर होते हुए रीवा पहुंची। यात्रा का दोपहर पड़ाव इटौरा में हुआ, जहां ओबीसी प्रदेश सचिव एवं वरिष्ठ समाजसेवी द्वारा भोजन दान कराया गया। उनके सहयोगी समाजसेवी रामनरेश यादव दिल्ली से पहुंचकर पदयात्रियों का उत्साहवर्धन किया।

यात्रा के दौरान पदयात्रियों ने गीत के माध्यम से कलेक्टर रीवा से समस्याओं के समाधान की गुहार लगाई। उन्होंने गीत गाते हुए कहा, 'पैरों में पड़ गए छाले, लेकिन मिलने नहीं आए कलेक्टर।'

सपा के राष्ट्रीय सचिव शिव सिंह ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी में जनहित के मुद्दों को लेकर पदयात्रा कर रहे कार्यकर्ताओं से मिलने प्रशासन का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा। उन्होंने प्रशासन के रवैये की निंदा करते हुए कहा कि पार्टी इसके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करेगी।

प्रदेश सचिव जगदीश यादव ने बताया कि लगातार पांच दिन से पदयात्रा करने के कारण कई कार्यकर्ताओं के पैरों में छाले पड़ गए हैं और दो पदयात्री बीमार हो गए हैं। यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष कार्यकर्ता शामिल रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान: कलेक्टर ने मुदरिया चौहान में किया श्रमदान, जल संरक्षण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनरुद्धार हेतु प्रशासनिक सक्रियता तेज हो गई है। इसी क्रम में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने ग्राम मुदरिया चौहान स्थित भुअरा तालाब पहुँचकर स्वयं श्रमदान किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छता को जनभागीदारी से जोड़ना है। श्रमदान के दौरान कलेक्टर ने तालाब की स्वच्छता का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से संवाद करते हुए जल स्त्रोतों की पवित्रता बनाए रखने की अपील की। प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि तालाब के

पानी में साबुन, डिटर्जेंट और अन्य रासायनिक अपशिष्टों का उपयोग पूर्णत प्रतिबंधित रहे। तालाब के घाटों पर गंदगी न फैलाई जाए और स्वच्छता नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्त्रोतों के आसपास कचरा फेंकने वालों पर निगरानी रखी जाए। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि 'जल गंगा संवर्धन अभियान' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने का एक सामूहिक संकल्प है। अभियान के माध्यम से तालाबों, कुओं और अन्य पारंपरिक जल स्त्रोतों का गहरीकरण एवं सफाई कार्य निरंतर जारी है, ताकि आगामी मानूसन में जल संचयन की क्षमता को बढ़ाया जा सके। 'जल ही जीवन का आधार है। यदि हम आज अपने जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से नहीं बचाएंगे, तो भविष्य की पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट खड़ा होगा। प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण में श्रमदान करना चाहिए। 'कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं ग्रामीणजनों ने भी श्रमदान कर स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

रोजगार मेले में 469 युवाओं को मिला रोजगार, युवाओं ने बढ़-चढ़ कर की भागीदारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में श्री कृष्णा फार्मेसी कॉलेज मनगवां में वृहद रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 680 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 18 कंपनियों ने 469 युवाओं का चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में हायर अप्लायंसेस इंडिया लि. रंजनगांव पूणे में 33, जैबिल सर्किट इंडिया लि. रंजनगांव में 36, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स बैंगलोर में 4, टाटा मोटर्स प्रा. लि. सानन्द अहमदाबाद गुजरात में 30, सुप्रीम ट्रॉयन प्रा. लि. चाकन पूणे में 9, टीवीएस आटोमोबाइल कंपनी में 14, इलेक्ट्रानिक्स मोबाइल में 9, एमआरएफ टायर्स भारूच गुजरात में 8, याजाकी इंडिया लि. हरियाणा में 30, डिक्सन टेक्नालॉजी नोयडा में 30, आरव्ही लाईफसाइंस लि. औरांगाबाद में 6, डिस्पोसेफ हेल्थ एवं लाइफ केयर लि. फरीदाबाद में 45, मनी सैल्यूशन प्रा. लि. जनकपुरी न्यू डेल्ही में 42, जेके टायर्स एण्ड इंडस्ट्रीज लि. वानमोर मुरैना में 30, सीआईआई एमसीसी इंदौर में 45, प्रभा बायोप्लांट्स प्रा.लि. रीवा में 54, एचडीएफसी लाईफ इश्योरेंस कंपनी लि. रीवा में 20 और प्रगतिशील एग्रोटेक प्रा. लि. रीवा में 24 युवाओं का चयन किया गया। रोजगार मेले के सफल आयोजन में जिला रोजगार कार्यालय, श्री कृष्णा फार्मेसी कॉलेज के अधिकारियों, कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।